## पंजीकरण का 54वाँ वर्ष

जून 2010 अंक 3



**सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक :**
**हीरेन्द्र नाथ भार्गव**
प्रधान सचिव, अखिल भारतीय भार्गव सभा
ए-55, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
फोन : (011) 41403536
ई-मेल : herendra_bhargava@rediffmail.com

**सह-सम्पादक :**
**निहाल भार्गव**
सी-75, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
फोन: 26948615, मोबाइल: 09810234705



**मुद्रण का स्थान :**
**रैक्मो प्रेस प्राईवेट लिमिटेड**
सी-59, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया फेज-I
नई दिल्ली-110020
फोन : (011) 26814886, 26816282

| | | |
|---|---|---|
| **भार्गव पत्रिका का वार्षिक शुल्क** | **: रु.** | **120** |
| **एक प्रति का मूल्य** | **: रु.** | **10** |
| **धरोहर राशि जमा योजना** | **: रु.** | **1500** |

**पत्रिका के लिये सामग्री, शुल्क तथा सभी पत्र निम्न पते पर भेजें:-**

**जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076**
**फोन : 41403536 अथवा 65955086**
ई-मेल : abbs@airtelmail.in
website: www.bhargavasamajglobal.com


ॐ ॥ सत्यमेव जयते ॥ ॐ

**भार्गव सभा का मुखपत्र**

# भार्गव पत्रिका

## प्रकाशन का 112वाँ वर्ष

## इस अंक में


सम्पादक के नाम पत्र 3
स्व. सत्य नारायण भार्गव को अर्पित श्रृद्धाँजलियाँ 4-7
174 जोरबाग, नई दिल्ली —
भवन के नवनिर्माण हेतु धन की व्यवस्था 9-10
अधिवेशन आयोजन एवं प्रबन्ध उपसमिति की बैठक
दिनांक 25-3-2010 की रिपोर्ट 11-12
जनगणना उपसमिति - पुन: निवेदन एवं जनगणना हेतु प्रपत्र 12-14
अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के चुनाव सम्पन्न एवं रिपोर्ट 15
विशेष उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों को मान-सम्मान एवं पुरस्कार 17-20
Proforma for details of Proposed Awardee for Award 21
लखनऊ के आदर्श दम्पत्ति 23
श्रीमती कलावती-श्री शिवदयाल भार्गव स्मृति निधि, लखनऊ
राशि रु.50,000/- 25
अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा सूचना -
कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक तथा
विवाह परामर्श शिविर 2010 27
ठाकुर किशोरी रमण जी महाराज, मथुरा - आवश्यकता है 29
श्री डहरा उत्सव समिति, अलवर - विनम्र निवेदन 29
वैचारिक मंथन - 1. ये कैसी धार्मिक आस्था 30
2. बुजुर्गों की चाह 31
ढोसी पर्वत एवं नारनौल का रामेश्वर मन्दिर 33
निर्जला एकादशी 22 जून, 2010 के अवसर पर 35
मधुमेह की जानकारी तथा सम्बन्धित लाभ 36-37
जातीय समाचार 39-42
**हमारी स्थानीय सभाएँ :** आगरा, देहरादून, गाजियाबाद,
जबलपुर, अजमेर, रायबरेली, रिवाड़ी, मथुरा, भोपाल 43-47
**हमारी महिला सभाएँ :** अलवर, अजमेर, रिवाड़ी,
मथुरा, सिरोंज, दिल्ली 49-52
Veterans Bikaner 52
हमारे युवा संघ : अलवर, जयपुर 53
विशेष वैवाहिक प्रत्याशी विवरण (6 युवक, 2 युवतियाँ) 54-58
List of Marriageable Boys
(60 entries) & Girls (65 entries) 59-68

***We are grateful to following advertisers of Bhargava Patrika who have gracefully agreed to our request for skipping their advertisements in the June 2010 issue due to more news material and space constrain.***

1. Ammonia Supply Company, 18, New Colony, Model Basti, New Delhi-110005
2. Bhargava Packagings (P) Ltd., Chandausi
3. Everest Metals, Jhajjar Road, Rewari-123401
4. Kanu Estates (Pvt.) Ltd., G-24, Siddhartha Encalve, New Delhi-110014
5. Gupta Paper House Pvt. Ltd, UG-3 & LG-18, Siddhartha Chambers, 55-A, Kalu Sarai, Hauz Khas, New Delhi-110016
6. Rakmo Press Pvt. Ltd., C-59, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020
7. Premier Paper Packaging, B-87, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110020
8. Vishnu Kumar & Bros., 2369, Chatta Shahji, Chawri Bazar, Delhi-110006


# KAMA ENGINEERING WORKS

Manufacturers of Precision Sheet Metal
Press Components and Tools

*Office / Residence :*

Bhargava Kuteer
Cottage # 24, Shipra Sun City
Indirapuram
Ghaziabad-201 010
Phone : (0120) 2651300, 2651522

*Works :*

Kama Engineering Works
C-64, Sector-8, NOIDA - 201 301
Phone : (0120) 4337821, 2424211
Fax: (0120) 2424329
E-mail : anuj.anujbhargava@gmail.com

*With Best Compliments from*

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| T.N. Bhargava | 0-9350805787 | - | Smt. Santosh Bhargava | 0-9312437748 |
| Dr. Amit Bhargava | 0-9811065538 | - | Dr. Nidhi Bhargava | 0-9313068008 |
| Er. Anuj Bhargava | 0-9810033074 | - | Smt. Shalini Bhargava | 0-9871709690 |

## सम्पादक के नाम

**(1)**

श्रीमती विमला (इन्दौर) का पत्र मैंने ध्यान पूर्वक पढ़ा। इस विषय में मेरे विचार इस प्रकार हैं –

भात की रस्म विवाह में वर्षों से चली आ रही है, रस्में हमारे पूर्वजों से संस्कार में मिलती हैं। इनको निभाना आपके सम्बन्धियों व आपके परिवार के लिए हर्ष का विषय होता है। अत: विनम्र निवेदन है कि भात की रस्म की तुलना खर्चे व उपहार की कीमत से न करें।

शादी विवाह में एकत्रित होना हमारा सामाजिक, पारिवारिक, संस्कारिक कर्तव्य है, हाँ यह बन्धन न हो कि यह संस्कार करना आवश्यक है। यदि भाई कहता है तो इसे करें अथवा न करें। यह आपके व आपके परिवार के विवेक तथा आर्थिक स्थितियों पर निर्भर है। भात की रस्म न करने पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिये।

मेरे विचार से हमारा समाज 100% शिक्षित, योग्य व आर्थिक रूप से सम्पन्न है और काफी विवाह जाति के बाहर भी हो रहे हैं तथा अधिकतर युवक-युवतियाँ विवाह का निर्णय व प्रबन्ध स्वयं कर रहे हैं। इस प्रकार के विचार अपने आप नया रूप ले रहे हैं। अत: मेरा विनम्र निवेदन है कि इस विचार को अखिल भारतीय भार्गव सभा में विचार बिन्दु न बनायें तथा बहस का मुद्दा न उठायें।

**डा. आर.आर. भार्गव,** वरिष्ठ उपप्रधान, अ.भा.भा.सभा, 104, ओ ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर-23

**(2)**

श्रीमती विमला (इन्दौर) का लेख पढ़ा जिसमें भात की रस्म के कुछ कटु सत्य का उल्लेख किया गया है। मैं उनके विचारों से सर्वथा सहमत हूँ।

कभी भात की रस्म रक्षाबन्धन के त्यौहार की भाँति भाई-बहिन के पवित्र प्रेम का प्रतीक थी। आजादी से पूर्व भार्गव समाज में अधिकाँश जमींदार खेतीबाड़ी अच्छी आय वाला वर्ग था। वैसे भी उसी परिवार में जन्मी-पली-बढ़ी कन्या परिवार की अभिन्न अंग थी। विवाह में खाली हाथ कैसे विदा करें – सब वस्त्र आभूषण, बर्तन आदि देकर सम्मान सहित विदा किया जाता था। किन्तु अब इस प्रथा ने जान लेवा दहेज दानव का चोला धारण कर लिया है।

उसी प्रकार परिवार की बेटी के यहाँ विवाह होता था तो भाई उसकी आर्थिक सहायता करता था। और वह बहिन की खुशी में उमंग के साथ शामिल होता था।

किन्तु संयुक्त परिवार बिखर गये। एकल परिवार, छोटी-छोटी नौकरी, मँहगाई और यदि एक ही भाई की 4-5 बहनें तो उसकी शामत आ जाती है। ऐसी हालत में भात की रस्म बोझ बनती जा रही है। जब कोई प्रथा रूढ़ीवादिता का रूप धारण कर ले जिसके निभाने में सार्थकता न हो, उनका परित्याग कर देना उचित है।

यद्यपि किसी प्रथा को जड़ मूल से मिटाना असम्भव है फिर भी बुराईयों को मिटाना हमारा कर्तव्य है। आज भात सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है। यदि भाग्यवश बहिन बड़े घराने में ब्याही गई तो गरीब भाई में हीनता की भावनायें पनपना स्वाभाविक है। यदि हम सादगी, कम खर्च, दिखावा रहित रस्मों को निभायें, तो सोने में सुगन्ध होगी। किन्तु जब रस्म, स्वार्थ लालच के कारण, अपने मूल पथ से भटक जाये तो उसे पटरी पर लाना असम्भव है। भात की रस्म में दिखावा आदि को रोका जाये उसकी अनिवार्यता समाप्त की जाये क्योंकि वह कोई धार्मिक संस्कार नहीं है। अत: दहेज, भात जैसी दिखावे की खर्चीली रस्मों को समाप्त करने में कुशलता है।

यह कार्य गृहणियाँ सुगमता से कर सकती हैं। और पुन: शोध करना चाहिये। रीति संग्रह की भाँति सादगी, आदर्श रूप प्रदान किया जाये। इसे भार्गव सभा के पटल पर विचार हेतु रखा जाना चाहिये।

**श्रीमती शिवकुमारी भार्गव,** मदनगंज, किशनगढ़-305801 (राजस्थान)

**नोट : पाठकों से आग्रह है कि भात की रस्म तथा सम्बन्धित अनेक विधियों में सुधार की आवश्यकता पर अपने-अपने विचार पत्रिका में प्रकाशन हेतु भेजें। — सम्पादक मण्डल**

## श्री सत्यनारायण भार्गव जी के निधन पर अर्पित श्रृद्धांजलियाँ

**श्री सत्य नारायण भार्गव**, हम सबके **'सत्तो भईया'** का विछोह असहनीय है। उनके जैसा सज्जन, संयत, हरेक की सहायता करने वाला एवं भला चाहने वाला मुश्किल से ही मिल सकेगा।

दिल्ली भार्गव सभा को तो उनका योगदान सदा रहा है, परन्तु अखिल भारतीय भार्गव सभा में उनका योगदान वास्तव में अविस्मरणीय रहेगा। गत 40 वर्षों से वह अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यकलापों से जुड़े रहे और पिछले 2 दशक से सभा की कार्यकारिणी के सदस्य रहे।

बैंक ऑफ टोक्यो से रिटायर होने के उपरान्त उन्होंने प्रायः अपना पूर्ण समय अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यकलापों में लगाया और सन् 1995 से अर्थात् गत 15 वर्षों से अखिल भारतीय भार्गव सभा के सेक्रेटरी का दायित्व निरन्तर निभाया। वास्तव में भार्गव सभा कार्यालय के दैनिक कार्यों के संचालन में उनका योगदान एक स्तम्भ के रूप में रहा है। अपने मधुर व्यवहार से वह विभिन्न नगरों की सभा के सदस्यों को विशेष प्रभावित करते रहे हैं और अपने व्यवहार एवं कार्य कुशलता से उन्होंने भार्गव सभा को एक विशेष गरिमा प्रदान की है। उनका योगदान इतना अधिक और इतना अर्थपूर्ण रहा है कि आज हम सब अपने आपको अनाथ महसूस कर रहे हैं।

भगवान से प्रार्थना है कि उनके भरे पूरे परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे और हम सबको एवं भार्गव सभा को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाये।

- **मनमोहन कुमार भार्गव,** प्रधान, अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

• • •

प्रिय श्री अतुल जी एवं श्री आलोक जी (फरीदाबाद)

सभा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य आपके पूज्य पिता श्री सत्य नारायण जी के 14 जून, 2010 को आकस्मिक निधन पर शोकाकुल हृदय से श्रृद्धांजली अर्पित करते हैं एवं भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनकी दिवंगत आत्मा को सदैव के लिए स्वर्ग में शान्ति प्रदान करे।

आपके पूरे परिवार को शोक की घड़ी में इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करे ऐसी प्रार्थना करते हैं। आपके शोक में सहभागी -

- **हीरेन्द्र नाथ भार्गव,** प्रधान सचिव, अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

• • •

We are shocked to know the sudden and untimely demise of Shri Satya Narain Bhargava, Secretary, AIBS and Ex-President, Delhi Bhargava Sabha.

He was a sincere, devoted and committed person with high integrity and a silent worker.

We pray the Almighty to give rest to the departed soul and courage to bear this irrepairable loss to we all Bhargava parivar.

**Dr. Pradeep Bhargava** (Vice President, ABBS) **Laxmi Bhargava** (President, ABBMS)

• • •

शाम के 7 बजे जैसे ही श्री सत्य नारायण जी के आकस्मिक निधन का समाचार प्राप्त हुआ, सुनकर स्तब्ध रह गया। आपने भार्गव समाज की अत्यन्त सेवा की। आप दिल्ली भार्गव सभा के प्रधान पद पर भी रहे। आप अखिल भारतीय भार्गव सभा के सचिव पद को कई वर्षों से सुशोभित कर रहे थे। आपने सदैव ही मेरा मार्गदर्शन किया। दिल्ली भार्गव सभा के संविधान को बनाने में आपने मेरा अत्यधिक सहयोग किया। जब भी किसी समस्या पर आपसे बात करता तो वे उसे सहज ही सुलझा कर मेरा मार्गदर्शन कर देते थे। आपके आकस्मिक निधन से आपके परिवार को तो अत्यधिक क्षति हुई ही है परन्तु हम सभी ने अपना मार्गदर्शक सहयोगी भी खो दिया है।

आप अपने शोक संतप्त परिवार में पत्नी, दो पुत्र, पुत्रवधु, एक पुत्री- दामाद तथा पौत्र एवं नाति सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं। भगवान उन्हें इस दु:ख को सहन करने की शक्ति दे।

दिल्ली भार्गव सभा अपने आदरणीय सदस्य श्री सत्य नारायण जी के निधन से अत्यन्त शोकाकुल है तथा परम्पिता परमात्मा से यह प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे तथा उनके परिवार तथा हम सभी को इस महान दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ॐ शान्ति शान्ति शान्ति

**संजीव भार्गव,** मुख्य सचिव, दिल्ली भार्गव सभा

• • •

बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि श्री सत्य नारायण भाई साहब हमारे बीच नहीं रहे। करीब 17 साल पहले उनकी किडनी ट्रांसप्लान्ट हुई, तभी से उनका संघर्षमय जीवन शुरु हो गया। बातों के धनी, समय के पाबंद सत्तो भाई साहब भार्गव सभा के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे। स्वास्थ्य ठीक न होने के बावजूद भी जब भी सभा के किसी काम के लिये याद किया जाता था, वह तुरन्त सभा के दफ्तर पहुँचते और अपना पूर्ण योगदान देते।

सत्तो भाई साहब खाने के बहुत शौकीन थे, स्वयं खर्च करने में भी कभी पीछे नहीं हटे। किसी भी समारोह में समय पर पहुँचना उनकी आदत में शुमार था।

उनकी हार्दिक इच्छा थी कि उनके प्राण भार्गव सभा की कुर्सी पर काम करते हुए निकलें। ईश्वर को भी शायद यही मंजूर था। अखिल भारतीय भार्गव सभा के सचिव पद पर रहते हुए उन्होंने इस नश्वर संसार से विदा ले ली। दिल्ली भार्गव महिला सभा की परम् पिता परमेश्वर से यही प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को दारूण दु:ख सहन करने की शक्ति दे।

— **मीरा भार्गव**, अध्यक्ष, दिल्ली भार्गव महिला सभा

• • •

My daughter, Ritu, has just conveyed to me the sad news of the passing away of dear Satya Narayan ji yesterday. It was just like a bolt from the blue. It is a big shock. It is no secret that he served the community with devotion and all sincerity and his selfless services as Secretary of the Sabha will be long remembered.

**B.S. Bhargava,** Secretary, Central Property Committee, Akhil Bhartiya Bhargava Sabha
*(Presently in Sydney, Australia)*

• • •

श्री सत्यनारायण जी के निधन का समाचार न केवल उनके परिवार के लिये अपितु पूरे भार्गव समाज के लिए बहुत ही दुःख का समाचार है। उनकी पूर्ति असम्भव है। उनका न केवल दिल्ली भार्गव सभा को योगदान रहा बल्कि अखिल भारतीय भार्गव सभा में उनके योगदान को भुलाना बहुत ही मुश्किल है। उन्होंने अपने कार्यकाल में विभिन्न समितियों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और वर्तमान में भी 1995 से अखिल भारतीय भार्गव सभा के केन्द्रीय कार्यालय में सचिव पद पर थे। उन्हें सभा की प्रत्येक क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों की जानकारी होती थी। यही कारण था कि जब भी सभा के कोई महत्वपूर्ण निर्णय लिये जाते थे तो उनकी सलाह अवश्य ली जाती थी। ऐसे कर्मठ कार्यकर्ता को अलवर भार्गव सभा श्रद्धाँजली अर्पित करती है।

**विनोद भार्गव,** अध्यक्ष, अलवर भार्गव सभा, 331 गाँधी नगर, स्कीम नं. 8, अलवर, मो. 09413909113

• • •

I have learned with great dismay about the sad demise of Shri Sat Narain. Please convey my heartfelt condolences to the bereaved family.

I had known him for the past few decades but working with him in Bhargava Sabha office brought us together in a different way. His dedication and sincerity will always be remembered. I will personally miss him immensely.

Dhruv Bhargava (001-9197414243), Ghaziabad (Presently in U.S.A.)

• • •

मैं, निशा हम सबकी तरफ से कुछ कहना चाहती हूँ। एस. एन. भाई साहब पिता, पति, पुत्र, ससुर और दादा, नाना के रिश्तों की मजबूत डोर से स्नेहपूर्वक बंधे थे, अस्वस्थ रहते थे, पर भार्गव समाज को स्वस्थ देखना चाहते थे। उनकी आँखों में समाज की उन्नति का सपना था। तन-मन से वह सामाजिक क्रियाकलापों में जुटे रहते थे। उनका स्नेह केवल परिवार तक ही सिमट कर सीमित नहीं रहा बल्कि पूरे समाज में बंटता रहा, प्रसाद की तरह।

उनमें दृढ़ इच्छाशक्ति थी, वह जुझारू थे। उनमें लगन थी, उनका दृष्टिकोण सकारात्मक था।

आप जहाँ हो, उस जहाँ का रास्ता किसको पता है ।
इस जहाँ से उस जहाँ का फासला किसको पता है ।।
वो शहर है, गाँव है या शून्यता किसको पता है।
वो जगह जैसी भी हो पर अब ये तय है।
वो जगह भी हो रही है गुलजार आपसे।।

सहजता, सरलता और सादगी से जीने वाले भाई साहब बनावट और दिखावे से दूर रहे। वे सबके चहेते लाडले और प्रिय रहे। जब भी जिक्र होगा एक अच्छे और सच्चे इन्सान का — भाई साहब सबको याद आयेंगे।

मैं यही कहूँगी —

आदमी दुनिया में केवल वो ही जीना जानता है।
अपने जख्मों को जो बस चुपचाप सीना जानता है।।

वो आदमी इक देवता से कम नहीं है।
जो जहर दुनिया का चुप रहकर पीना जानता है।।

एस. एन. साहब के परिवार को, भाभीजी को, अतुल-शशि को, आलोक-वंदना को, हम यह भरोसा दिलाना चाहते हैं कि वे अपने को कदाचित अकेला न समझें, हम सब उनके साथ हैं।

भाई साहब जिस हौसले से जिए प्रभु वही हौसला, वही हिम्मत, वही शक्ति, वही धीरज उनके परिवार को दे, यही कामना है। उनकी आत्मा की शांति और परिवार के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ अन्त में यही कहूँगी कि -

हर किसी को यह भरम है। साथ है, दुनिया का मेला।
पर हकीकत में सभी को होना है एक दिन अकेला।।

- **निशा भार्गव,** ए-516, सरिता विहार, नई दिल्ली

• • •

आदरणीय श्री सत्य नारायण भार्गव जी के आकस्मिक निधन की खबर सुनकर आघात पहुँचा। वे एक नेकदिल, मृदुभाषी, कर्त्तव्य परायण, समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व वाले थे। आपने अनेक वर्षों तक नि:स्वार्थ समाज सेवा करी। आपके द्वारा किये गये सराहनीय कार्य अविस्मरणीय रहेंगे। आपके आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणादायक रहेंगे। आपकी क्षतिपूर्त्ति सम्भव नहीं है। हम आपको श्रृद्धासुमन अर्पित करते हैं।

- **डा. रेनू भार्गव,** सचिव, अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा

• • •


*With Best Compliments from:*

# ESS ESS ENGINEERS

*Manufacturer of:*

**PAPER COATING & CONVERTING MACHINES**

- Cast Coating, Anti-Rust Paper, Photo Paper, Release Paper, Clay Coating, Gum Coating etc.
- Sheet Cutter
- Slitter Rewinder etc.
- S.S. Colour Kitchen

*Please contact:*

**JAGDISH BHARGAVA**
Onyxe Tower, GH-25, Flat No. 303, Sector-21C-III, Faridabad-121001
Mobile: 09810234330

JORBAGH PROJECT

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

## 174 जोरबाग, नई दिल्ली भवन के नवनिर्माण हेतु धन की व्यवस्था

174 जोरबाग, नई दिल्ली स्थित यह बहुमूल्य सम्पत्ति हमारे भार्गव सभा के पूर्व प्रधान, पं. श्रीराम भार्गव ने भार्गव सभा को अपनी वसीयत द्वारा सन् 1978 में दान दी थी।

भार्गव सभा ने इस भवन के पुनःनिर्माण के लिये निर्णय लिया है और भार्गव पत्रिका के गत अंकों में इस विषय में काफी सूचनाऐं आपको दी जा चुकी हैं।

इस प्रोजेक्ट की महत्ता को देखते हुए सभा ने निम्नलिखित सदस्यों की इम्प्लीमेन्टेशन कमेटी, टैक्निकल एडवाइजरी कमेटी एवं फाइनेन्स एडवाइजरी कमेटी इस कार्य को सुचारू रूप से सम्पादित करने के लिए बनायी हैं :-

**Implementation Committee :-**

1. Dr. Rishi Bhargava, Jaipur
2. Shri Vijai Narain, New Delhi
3. Shri Suresh Bhargava, New Delhi
4. Shri Manmohan Kumar, Gurgaon
5. Shri H.N. Bhargava, Gurgaon
6. Shri Surendra Nath, Jodhpur
7. Shri O.P. Bhargava (Omi), Delhi
8. Shri Prakash Narayan, Lucknow
9. Shri B.S. Bhargava, Delhi
10. Shri Nand Lal Bhargava, Agra
11. Shri Parmeshwar Nath, Rewari

**Technical Advisory Committee**

1. Shri Prakash Bhargava, Architect, Jaipur
2. Shri Girish Bhargava, Architect, Delhi
3. Shri J.P. Bhargava, Architect, Lucknow
4. Shri H.K. Yadav, Architect, New Delhi

**Finance Advisory Committee**

1. Shri O.P. Bhargava (Omi), Treasurer, Delhi
2. Shri Jitendra Bhargava, C.A. Agra
3. Shri Sunil Bhargava, C.A. Lucknow
4. Shri Ashok Bhargava, Ex-G.M. PNB, Delhi
5. Shri U.S. Bhargava, Ex-C.G.M., PNB, Gurgaon

आर्किटेक्ट द्वारा नये नक्शे बनाये जा चुके हैं और प्रयास है कि भार्गव सभा को इस भवन के पुनःनिर्माण हेतु L&DO एवं NDMC authorities से अनुमति मिल जाये एवं नक्शे पास हो जायें।

भवन के लगभग 18 महीने में पुर्ननिर्माण होने की आशा है तत्पश्चात किराये से लगभग 9 लाख रुपये प्रतिमाह आय की आशा है। प्रारम्भिक वर्षों में यह धन ऋण की अदायगी के लिए काम में लाया जायेगा। ऋण की अदायगी के पश्चात समाज की विभिन्न आवश्यकताओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत बन जायेगा। ज्ञातव्य हो कि अभी अखिल भारतीय भार्गव सभा की वार्षिक आय केवल 35 लाख रुपये है।

भवन के पुनः निर्माण पर लगभग 3 करोड़ रुपये व्यय होने की सम्भावना है। इसमें से प्रायः 1.50 करोड़ रुपया समाज के बन्धुओं से दान, बिना ब्याज के ऋण, अथवा 10% ब्याज पर ऋण लिया जायेगा (आजकल बैंक सावधिक जमा पर अधिक से अधिक 7.50% ब्याज दे रहा है।) धन की अन्य आवश्यकता को बैंकों से पूरा करने का प्रयास हो रहा है।

धन की आवश्यकता अलग-अलग निर्माण स्तर पर पड़ेगी तद्नुसार आप अपनी सुविधानुसार धन देने का समय तय कर सकते हैं। प्रयत्न किये जा रहे हैं आगामी 2 माह में भवन का निर्माण कार्य आरम्भ हो जाये। परन्तु हम अभी से अपना प्रयास आरम्भ कर समय से आवश्यक धनराशि उपलब्ध होने हेतु आश्वस्त होना चाहते हैं। यदि आप इस अति-महत्वपूर्ण कार्य योजना हेतु सभा को धन देना चाहते हैं तो कृपया अभी से हमारे पास निम्न सूचना भेजने की कृपा करें जिससे आवश्यकता पड़ने पर आपसे सम्पर्क किया जा सके।

1. ऋणदाता/दानदाता का नाम : ..............................................................................................
2. निवास का पूर्ण पता : ........................................................................ नगर : ......................
3. दूरभाष : .......................... मो.: ..............................ईमेल: .................................................
4. आप कितना धन और कब देना चाहेंगे ? ..............................................................................

धन प्राप्त करते समय अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा प्रत्येक व्यक्ति के साथ एक उचित अनुबन्ध किया जायेगा तथा ऋण का पुर्नभुगतान मिलने वाले किराये से 5 से 7 वर्ष की अवधि में EMI के आधार पर किया जायेगा। इस प्रकार होने वाली आय को आप बच्चे की शिक्षा अथवा अन्य किसी पारिवारिक अथवा सामाजिक आवश्यकता हेतु काम में लाने की अभी से योजना बना सकते हैं।

अत्यन्त आवश्यक होने पर जमाकर्त्ताओं को कुछ धन 2 वर्ष के पश्चात लौटाने का प्रावधान भी किया गया है।

*उपरोक्त योजना पर हमारे समाज के प्रबुद्ध विचारक प्रोफेसर दयानन्द, जयपुर के विचार*

***इस सम्पत्ति से होने वाली आय भार्गव सभा की निरन्तर चलने वाली आय होगी।***

***उससे जो भी कार्य सम्पन्न होंगे वे अक्षय होंगे। वस्तुतः भार्गव सभा के पास करने योग्य अनेक कार्य हैं जो शायद अभी धनाभाव में नहीं हो पा रहे। समाज के अभ्युदय के लिये धन अन्तिम साधन तो नहीं है, किन्तु प्रथम साधन अवश्य है। पुरानी भाषा में कहूँ तो जो इस कार्य में सहयोगी होंगे वे अक्षय पूर्ण के भागी होंगे। इतना ध्यातव्य है कि यज्ञ में दी जाने वाली आहुति में भावना प्रधान है, धन की राशि नहीं।***

The famous formula of Einstein is $MC^2 = E$
i.e. Money (M) x Compassion (C) x Charity (C) =
Equanimity (E) i.e. Peace of Mind

**— प्रोफेसर दयानन्द भार्गव,**
जे-1/7, जीवन सुरक्षा, विद्याधर नगर, सैक्टर-2, जयपुर (राजस्थान)
मो.: 09352565007, 09660578086

# अधिवेशन आयोजन एवम् प्रबन्ध उपसमिति

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

## उपसमिति की बैठक दिनांक 25-3-2010 की रिपोर्ट

अधिवेशन आयोजन एवं प्रबन्ध उपसमिति की एक बैठक 120 वें वार्षिक अधिवेशन (हरिद्वार में सम्पन्न) की समीक्षा के लिये दिनांक 25.03.2010 को भार्गव सभा के कार्यालय ए-55 सरिता विहार, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई जिसमें अखिल भारतीय भार्गव सभा के प्रधान श्री मनमोहन कुमार, प्रधान सचिव श्री हीरेन्द्रनाथ, कोषाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश 'ओमी', पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश, श्री निहाल, श्री उमेश (सचिव आ.भा.भा. सभा) व श्री सुदर्शन गुड़गाँव, श्री अनिल जोधपुर, श्री राकेश व श्री सजंय झाँसी, श्री वेदप्रकाश आगरा, श्री किशन मेरठ, श्री प्रमोद (सचिव, अधिवेशन उपसमिति) जोधपुर आदि उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता, श्री सुरेन्द्रनाथ जी अध्यक्ष, अधिवेशन आयोजन एवं प्रबन्धक उपसमिति ने की।

समिति के विचार से अधिवेशन का मुख्य उद्वेश्य सभी जाति बन्धुओं के आपसी मेल-मिलाप में वृद्धि, एक शांतपूर्ण मधुर गरिमायम वातावरण, जाति को प्रगति के मार्ग पर अग्रसर करने हेतु उपाय पर विचार करना और उनके क्रियान्वन हेतु प्रयास करना है।

इस उद्देश्य के मद्देनजर बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी कार्यकारिणी में यह प्रस्ताव लाया जाय -

(1) अखिल भारतीय भार्गव सभा के तत्वाधान एवं संचालन में अधिवेशन होने से अनेक स्थानीय सभाओं का आपसी सहयोग अच्छा होता है तथा सभी स्थानीय सभाऐं एक निश्चित दिशा में कार्य करती हैं। अधिवेशन के सारे कार्य आपस में बाँट लेती है जिससे अधिवेशन का आयोजन सरल एवं व्यवस्थित हो जाता है एवं अतिथियों को विशेष कठिनाई नही होती। 120 वें अधिवेशन में भी रजिस्ट्रेशन अलवर भार्गव सभा, भोजन व्यवस्था हरिद्वार व झाँसी भार्गव सभा, पीने के पानी का इन्तजाम व कूपन बिक्री जोधपुर भार्गव सभा, स्मारिका लखनऊ भार्गव सभा, आवास हरिद्वार भार्गव सभा व खेलकूद जयपुर भार्गव सभा ने कराकर आपसी सहयोग, समर्पण एवं अपनत्व का परिचय दिया। जयपुर, जोधपुर, कोटा व दिल्ली इत्यादि सभाओं ने अधिवेशन के लिये धनराशि एकत्रित करने में विशेष सहयोग दिया तथा हर स्थानीय भार्गव सभाओं ने अपना दायित्व समझ कर अधिवेशन को सफल बनाने में तन-मन-धन से सहयोग प्रदान किया।

(2) वर्ष 2005 में भी 116 वाँ अधिवेशन हरिद्वार में अखिल भारतीय भार्गव सभा के तत्वाधान एवं संचालन में आयोजित हुआ था। दोनों अधिवेशनों की सफलता एवं उनमें हुई प्राय: 4.50-5 लाख रु. की बचत को देखते हुए अब सभी वार्षिक अधिवेशन अखिल भारतीय भार्गव सभा के तत्वाधान एवं संचालन में आयोजित किये जावें। बचत किये हुए धन के ब्याज से शिक्षा, समाज कल्याण, श्रीमन् नारायण कोष व तकनीकी शिक्षा के लिये अतिरिक्त धन की व्यवस्था हो सकेगी। इस प्रकार अगर कुछ वर्षों तक अखिल भारतीय भार्गव सभा के तत्वाधान में यह अधिवेशन होते हैं तो यह

बचत इकठी हो कर करोड़ों रूपये में हो जायेगी, जिससे प्राप्त ब्याज के रूप में अच्छी धनराशि अर्जित कर हम हमारे समाज के जरूरतमंद सदस्यों की सेवा कर सकेगें।

वैसे भी अखिल भारतीय भार्गव सभा के तत्वाधान एवं संचालन में वार्षिक अधिवेशन आयोजित करने में संविधान की कोई अड़चन नही है, क्योंकि यह निर्णय अधिवेशन की व्यवस्था से है।

उपसमिति के हर सदस्य की यह राय है कि वर्ष 2009 की भाँति इस वर्ष 121 वाँ वार्षिक अधिवेशन अखिल भारतीय भार्गव सभा रजि. के संचालन में कराया जाये, नगर अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी तय करें। अधिवेशन अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) का होता हैं अत: यह उचित होगा कि अधिवेशन आयोजन का सम्पूर्ण दायित्व केवल एक नगर पर ही न होकर अनेक नगरों एवं उनके सक्षम कार्यकर्ताओं के सहयोग से हो ताकि प्रतिवर्ष अधिवेशन नये उच्च स्तर की ओर बढ़े। धन्यवाद!

**सुरेन्द्र नाथ भार्गव,** अध्यक्ष
डी-1 कमला नेहरू नगर, जोधपुर
फोन: (0291)2750686, मो. 09314709331

**प्रमोद भार्गव,** सचिव
529 न्यू कोलोनी बी जे एस, जोधपुर
फोन: (0291) 2530181, मो. 09829116254

## जनगणना उपसमिति

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

### पुन: विनम्र निवेदन एवं सूचना

अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा भार्गव समाज की जनगणना का कार्य पिछले तीन वर्षों से चलाया जा रहा है। इस कार्य में हमारे पास विभिन्न शहरों/कस्बों से फार्म प्राप्त हुए हैं। परन्तु अभी भी समाज के अनेक परिवारों ने तथा स्थानीय भार्गव सभाओं ने फार्म भरकर नहीं भिजवाये हैं।

सभी जातीय बंधुओं से पुन: निवेदन है कि वे संलग्न फार्म को शीघ्र भरकर डाक द्वारा नीचे लिखे पते पर हमें भेज दें अथवा समाज की वेबसाइट www.bhargavasamajglobal.com खोलकर, फार्म डाउनलोड करके मुझे e-mail: rahul.bhargava03@gmail.com अथवा उपसमिति के प्रधान श्री आलोक को e-mail: alokbhargava@dscl.com पर भेजें।

आप अन्य जातीय बन्धुओं जो छोटे शहरों/कस्बों में अथवा विदेशों में रहते हैं के फार्म भी भरकर भेज सकते हैं या उन्हें फार्म भरने के लिये प्रोत्साहित कर सकते हैं।

आपसे विशेष अनुरोध है कि पूर्ण रूप से भरे हुए फार्म हमें 31 जुलाई, 2010 तक अवश्य ही प्राप्त हो जाने चाहिये। उसके पश्चात प्राप्त विवरण को शामिल करने में कठिनाई हो सकती है। यह कार्य आप सभी के सहयोग से ही पूर्ण किया जा सकेगा।

**आलोक भार्गव,** प्रधान
ए-723 (बी), इन्दिरा विहार, कोटा
दूरभाष: 0744-2429797, मो. 09414230851

**कुलदीप भार्गव,** सचिव
गाँव व पो. बहोडा कलाँ, गुड़गाँव-122413
दूरभाष: 0124-2379533, मो. 09416751668

# अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ — चुनाव सम्पन्न

अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के चुनाव रविवार दिनाँक 27 जून, 2010 को कम्यूनिटी सेन्टर, पॉकेट-सी, सरिता विहार, नई दिल्ली पर शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुए। इन चुनावों की रिपोर्ट निम्न प्रकार है:-

1. अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के सदस्यों की जो सूची चुनाव अधिकारी का सौंपी गयी थी उनमें आजीवन सदस्यों की संख्या 303 तथा साधारण सदस्यों की संख्या 179 थी।

2. दिनाँक 27 जून, 2010 को मेरे साथ उप चुनाव, अधिकारी श्रीमती नीरा (दिल्ली), श्री कपिल (आगरा), श्री वेद प्रकाश (आगरा), श्री योगेश (दिल्ली) एवं श्री मयंक (दिल्ली) ने सहयोग करते हुये अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के चुनाव कराने में सफल योगदान दिया।

3. उक्त चुनाव पूर्ण निर्धारित प्रक्रिया प्रारम्भ करते हुये सम्पन्न करायी गयी। इसके अर्न्तगत अध्यक्ष पद हेतु 1, उपाध्यक्ष पद हेतु 4, प्रधान सचिव पद हेतु 1, कोषाध्यक्ष पद हेतु 1, संयुक्त सचिव पद हेतु 4 तथा कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु 17 नामांकन प्राप्त हुये। नाम वापिस लेने हेतु निर्धारित समय के अन्दर कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु 7 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापिस लिये। इस प्रकार कुल नामांकन उतने ही शेष रहे जितने पद थे।

4. अत: मतदान की आवश्यकता नहीं थी। निम्नलिखित प्रत्याशियों को निर्वाचित घोषित किया गया:-

**अध्यक्ष** : श्री संजीव, जयपुर; **उपाध्यक्ष:** (1) श्री आलोक, आगरा; (2) श्री प्रदीप, अलवर; (3) श्री संजीव, दिल्ली; (4) श्री समीर, जयपुर; **प्रधान सचिव** : श्री नरेन्द्र, दिल्ली; **कोषाध्यक्ष** : श्री तरूण, जयपुर; **संयुक्त सचिव** : (1) श्री हेमन्त, अलवर; (2) श्री मोहित, दिल्ली; (3) श्री सोमेश, जयपुर; (4) श्री विशाल, आगरा; **कार्यकारिणी सदस्य** : श्रीमती अनामिका, आगरा; श्री अंकुर, अलवर; श्री अमित, जयपुर; श्रीमती बबिता, जयपुर; श्री मधुर प्रभात, दिल्ली; श्रीमती रेनु, आगरा; श्रीमती रिचा, गाजियाबाद; श्री सौरभ, जयपुर; श्री सौरभ, दिल्ली; श्री योगेश, जयपुर

उपरोक्त समस्त कार्यवाही में दिये गये सहयोग एवं शान्तिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने हेतु हम सभी साथियों का धन्यवाद देते हुये उपरोक्त प्रत्याशियों को विधिवत् रूप से निर्वाचित घोषित करते हैं। धन्यवाद!

**सुनीत भार्गव,** चुनाव अधिकारी　　　　**श्रीमती नीरा भार्गव,** सह चुनाव अधिकारी

• • •

# एक रिपोर्ट

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को चुनाव अधिकारी, श्री सुनीत (आगरा) द्वारा शपथ ग्रहण करायी गयी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष, श्री संजीव (जयपुर) एवं प्रधान सचिव, श्री नरेन्द्र (दिल्ली) ने अपने स्वीकृत सम्बोधन में कहा कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों का यह प्रयास रहेगा कि युवा संघ भार्गव समाज में भाईचारा, सौहार्द्र एवं परस्पर प्रेम भावना बढ़ाने हेतु कार्य करेगा। युवा वर्ग के लिए सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का संचालन भी युवा संघ की प्राथमिकता रहेगा।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी दृढ़ प्रतिज्ञ है कि युवा संघ का संविधान तैयार कर इसे 1-4-2011 से पूर्ण रूप से लागू कर दिया जाये ताकि भविष्य में युवा संघ की गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम तदनुसार संचालित किये जा सकें।

सभी भार्गव सभाओं से यह अपील की जाती है कि वे अपने शहर में युवा संघ के स्थापना करें ताकि उस शहर के युवा भी हमारे साथ समाज की प्रगति में रचनात्मक भूमिका निभा सकें।

**संजीव भार्गव ( जयपुर ),** अध्यक्ष　　　　**नरेन्द्र भार्गव ( दिल्ली ),** प्रधान सचिव

# अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

कार्यालय : जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076 • फोन:(011) 65955086, 41403536
Email : abbs@airtelmail.in • www.bhargavasamajglobal.com

## विशेष उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों को मान-सम्मान एवं पुरस्कार

अखिल भारतीय भार्गव सभा का सतत् प्रयास रहा है कि हमारे भार्गव समाज के गणमान्य तथा विशेष उपलब्धि प्राप्त जाति बन्धुओं को, जिन्होंने अपने कार्य-कलापों से समाज अथवा देश-विदेश में अपना विशेष स्थान बनाया है तथा भार्गव जाति का गौरव बढ़ाया है, सम्मानित किया जाय तथा समाज से उनका परिचय कराया जाय।

अनेक परिवारों ने समय-समय पर मान-सम्मान एवं पुरस्कार हेतु निधि स्थापित कर सभा को अपना योगदान दिया है। स्थापित निधियों से प्राप्त वार्षिक ब्याज की आय से उपलब्धि प्राप्तकर्त्ताओं को उपयुक्त स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार (निर्धारित क्षेत्रों में) दिनांक 1.10.2009 से 30.9.2010 तक प्राप्त सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि पर दिसम्बर माह में वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर प्रदान किये जाऐंगे। विशेष परिस्थिति में गत वर्षों में विशिष्ठ उपलब्धि प्राप्तकर्त्ताओं पर भी विचार किया जा सकता है।

समस्त स्थानीय भार्गव सभाओं के पदाधिकारियों तथा अन्य बन्धुओं से अनुरोध है कि निम्नांकित पुरस्कारों के लिये उपयुक्त भार्गव बन्धुओं का उपलब्धि सहित पूर्ण विवरण निर्धारित प्रपत्र में भरकर शीघ्रातिशीघ्र भेजने का कष्ट करें। सभी विवरण 15.10.2010 तक अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यालय में प्राप्त हो जाने चाहिये।

**इसके अतिरिक्त पुरस्कारों के इस विवरण में क्रम संख्या I-5, K-1 एवं K-2 में वर्णित सम्मान/पुरस्कार के संदर्भ में सभी स्थानीय भार्गव सभाओं के अध्यक्ष एवं सचिवों से विशेष अनुरोध है कि इन वर्गों में यदि आपके नगर अथवा जानकारी में कोई ऐसे जाति बन्धु अथवा सम्भावित उपयुक्त पात्र हों तो कृपया विशेष प्रयास कर उनसे सम्पर्क करके हमें उनका विवरण निर्धारित संलग्न प्रारूप में पूर्ण रूप से भरकर भेजें ताकि उनके नाम पर भी विचार किया जा सके।**

**- हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव**

नोट : उपलब्धि के विवरण हेतु प्रपत्र संलग्न है। कृपया विवरण निर्धारित प्रपत्र में ही भिजवायें।

## Akhil Bhartiya Bhargava Sabha (Regd.)

***Detailed List of Maan-Samman & Puraskar***

| *Sl.* | *Nidhi Name (Year) & Nidhi Amt. Rs.* | *Puraskar / Award Criteria* |
|---|---|---|
| **A** | **<u>CLASS TENTH</u>** | |
| A-1 | **Dr. Atri-Prabha Bhargava (Agra) Puraskar (2002), Rs.25,000/-** | National : Highest marks in Science in Class X |
| A-2 | **Late Chandra Prakash-Smt. Nirmala Bhargava (Neemuch) Puraskar (2004), Rs.11,000/-** | Highest marks in Class X, preferance to Madhya Pradesh |
| A-3 | **Late Har Kishore - Smt. Shanti Devi (Ajmer) Puraskar (2008), Rs.25,000/-** | Highest marks in Maths in class Xth of Rajasthan Board |

| *Sl.* | *Nidhi Name (Year) & Nidhi Amt. Rs.* | *Puraskar / Award Criteria* |
|---|---|---|
| **B** | **<u>CLASS TWELFTH</u>** | |
| B-1 | **Dr. Atri-Prabha Bhargava (Agra) Puraskar (2002), Rs.25,000/-** | National : Highest marks in Physics in Class XII |
| B-2 | **Smt. Sarbati Devi-Jagat Narayan Bhargava (Bikaner) Puraskar (1995), Rs.11,001/-** | State : Highest Marks in Class-XII examination of Secondary Education Board, Rajasthan, Ajmer |
| B-3 | **Smt. Vidhyawati (Gulab)-Shameshwar Sahai (Rewari) Puraskar (2004), Rs.21,000/-** | Highest aggregate marks in Class XII, from any Board other than, Rajasthan Board |
| B-4 | **Late Shri Dwarka Nath Puraskar Nidhi (Roorkee) (2009), Rs.25,000/-** | Highest Marks in Maths class XIIth of CBSE Board |
| B-5 | **Shri Satya Prakash Bhargava s/o Shri Narayan Swaroop (Dhaulpur) Puraskar (2009), Rs.25,000/-** | Highest marks in class XIIth History Examination/ Commerce/ Humanities |
| **C** | **<u>ENGINEERING / COMP. ENGG / ARCHITECTURE / MANAGEMENT, CA , CS Etc.</u>** | |
| C-1 | **Late Narayan Swaroop Bhargava Nidhi (Dhaulpur) Puraskar (April 2006), Rs.51,000/-** | National : Highest marks in Engg. (B.E./B.Tech.) in Final Semister |
| C-2 | **Late Nanni Devi - Late Narayan Swaroop Bhargava (Dhaulpur) Puraskar (August 2007), Rs.51,000/-** | For being conferred Ph.D. degree in physics or any engineering faculty. (If there is no suitable applicant in any one year the corresponding award amount shall be transferred to Samaj Kalyan Kosh) |
| C-3 | **Smt. Kamla Devi - Harihar Lal (Gurgaon) Puraskar (1995), Rs.25,000/-** | Meritorious Persons in Higher Education Examinations for Doctors, Engineers, Chartered Accountants etc. |
| C-4 | **Shri Uma Shanker - Smt. Sharda Bhargava (Jaipur) Puraskar (March 2007), Rs. 1,00,000/-** | National : To student for scoring highest marks or for meritorious achievement in engg. faculty. |
| C-5 | **Smt. Shanti Devi-Ganeshi Lal Bhargava (Jaipur) Puraskar (1998), Rs. 11,000/-** | State/National/International:Special Achievements in Medicine, Engineering, Chartered Accountancy & Computer Science. |
| C-6 | **Dr. Murari Lal Bhargava (Delhi) Puraskar (1999), Rs. 50,000/-** | Any level : Special Achievements in Education or Other Fields. |
| C-7 | **Late Shri Gajendra Nath Nidhi Puraskar (2003), Rs.12,600/-** | Any level : Special Achievements in Computer Engg. |
| C-8 | **Shri Mathura Prasad - Smt. Prakash Bhargava (Alwar) Puraskar (2008), Rs. 25,000/-** | Education in Management and achiever in Exports |
| C-9 | **Late Smt. Kalawati - Late Shiv Dayal Bhargava (Lucknow) Smriti Puraskar (2010), Rs.50,000/-** | To reward student for outstanding work in the field of Architecture, Town Planning, Urban Planning, Land Escaping etc. |
| **D** | **<u>MEDICAL</u>** | |
| D-1 | **Smt. Bhuvaneshwari Devi-Parmeshwar Nath Bhargava (Jaipur) Puraskar (1989), Rs. 25,000/-** | **1.** Meritorious position in the field of medicine including Biochemistry. **2.** State/National award in the field of medicine or science related subject. |
| D-2 | **Dr. Sudha-Dr. Rishi Bhargava (Jaipur) Puraskar (1991), Rs.25,000/-** | University : **1.** Maximum marks in one or more subjects in any year examination of M.B.B.S., BDS, MDS, **2**. 1st Position in Central/State Pre.P.G. allotment, **3.** D.N.B., M.C.H., Ph.D., D.M. in medicine. |
| D-3 | **Smt. Shanti Devi-Triloki Nath (Saharanpur) Puraskar (2003), Rs.10,000/-** | National : Highest marks in 1st / 2nd Professional, MBBS and BDS examinations |

| *Sl.* | *Nidhi Name (Year) & Nidhi Amt. Rs.* | *Puraskar / Award Criteria* |
|---|---|---|
| **E** | **SPORTS** | |
| E-1 | **Smt. Shakuntala - Sunderlal Bhargava (Delhi) Puraskar (1981), Rs.10,000/-** | **1.** Winner in National Level sports or Represented State in National Meet, recognised by State or National Body. **2.** National Entry in Civil Services |
| E-2 | **Shri Prithvi Nath Bhargava (Delhi) Puraskar (1989), Rs.15,000/-** | Best Meritorious Performance in State/National/ International Level sports. Recognised by State or National Sports Council |
| E-3 | **Shri Suresh Chandra Bhargava (Rewari) Puraskar(1993), Rs.10,000/-** | Best Meritorious Performance in State/National/ International Level sports.Recognised by State or National Sports Council |
| **F** | **LAW** | |
| F-1 | **Pt. Mukut Bihari Lal Bhargava (Ajmer) Vidhi Puraskar (2005), Rs.51,000/-** | National : **1.** On being selected in Supreme Court, High Court or the State Judicial Service, **2.** For special achievement in Law Exam., **3.** On getting special appointment by virtue of education in law. |
| **G** | **ARTS AND CULTURE** | |
| G-1 | **Bhargava Sabha Puraskar** | State/National (Competitions, Debating, Music, Dance & other Arts etc) |
| G-2 | **Shri Prithvi Nath (Mathura) Puraskar (2002), Rs.25,000/-** | National/International : Excellence in Drawing and Painting, Fine Arts and Handicrafts |
| G-3 | **Shri Parmanand-Smt. Sheela Rani Bhargava (Kolkata) Puraskar (2002), Rs.31,000/-** | Winner in the Cultural Programme Events at ABBS Adhiveshan in different events. (to be clubbed with Mahila Bhargava Sabha Awards) |
| **H** | **SOCIAL SERVICE** | |
| H-1 | **Smt. Shiv Kumari - Shri Om Prakash Nidhi (Kishangarh) Puraskar (Dec. 2005), Rs.25,000/-** | National : Outstanding Social Service in our Community |
| **I** | **GENERAL** | |
| I-1 | **Shri Raghav Nath Bhargava (Delhi) Puraskar (1988), Rs.25,000/-** | Attained position as V.C. of any recognised university OR Director of National/State Level body in Education / Research or Industry. |
| I-2 | **Smt. Sharda Shanker Saran (Kota) Puraskar (1992), Rs.35,000/-** | National OR International achiever in Any discipline |
| I-3 | **Shri Parmeshwari Dayal-Smt. Indra Devi (Faridabad) Puraskar (1996), Rs.10,000/-** | Any level : Bringing Laurels to community / किसी भी ऐसे कार्य से जिससे जाति का गौरव बढ़ा हो |
| I-4 | **Smt. Gyanwati-Late Nand Kishore Bhargava (Lucknow) Puraskar (1997), Rs.10,000/-** | National/State : Special Achievements for the community |
| I-5 | **Shri Kailash Nath - Smt. Basant Kumari Bhargava Smriti Puruskar Nidhi Delhi (April 2006), Rs.1,00,000/-** | State/National/International : **1.** Honoured by a reputed institution in the field of Industry and Business., **2.** Attaining a high position in Central or State Govt. service in the field of Administration/ Revenue/Judiciary/Armed Services., **3.** Important achievement and leaving distinctive marks in the society through self made efforts in the field of Industry and Business. |

| *Sl.* | *Nidhi Name (Year) & Nidhi Amt. Rs.* | *Puraskar / Award Criteria* |
|---|---|---|
| I-6 | **Smt. Kusum - Shri Kailash Bhargava Samman Puraskar Nidhi, Bikaner (2006), Rs.25,000/-** | To be awarded to the oldest male or female member duly certified by Local Bhargava Sabha . (seniority of awardees should be decided on the basis of birth date i.e. day, month and year.) OR Longest surviving Couple, (seniority of awardees should be decided on the basis of date of marriage) |
| **J** | **MISCELLANEOUS** | |
| J-1 | **Late Sohan Lal - Late Smt. Ratan Devi Bhargava (Alwar) Puraskar (2008), Rs.25,000/-** | Associated with Bhargava Patrika with maximum number of articals being published during the year related to religion OR education |
| J-2 | **Smt. Pushpa - Shri Dayashanker Bhargava (Jaipur) Puraskar (2008), Rs.25,000/-** | Being recognized for doing substantial work in remembering Hemu OR any other renowned ancestors |
| J-3 | **Shri Kapil - Smt Sudha Bhargava Puruskar Nidhi Alwar (2009), Rs.25,000/-** | National/International : Recognised for doing outstanding work on Indian Culture, promoting of our religious and moral values, customs & the culture of our society etc. |
| J-4 | **Smt Kusum-Capt Kedarnath Bhargava Puruskar Nidhi (2009), Rs.25,000/-** | Attaining Degree in Physiotherapy, getting Commisioned in the Army |
| J-5 | **Smt Radharani- Shri Prayag Naraian Bhargava (Agra) Smriti Puruskar (2010), Rs.30,000/-** | Bringing Laurels by serving towards our community / किसी भी ऐसे कार्य से जिससे जाति का गौरव बढ़ा एवं अपने समाज के हित में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो |
| J-6 | **Bhargava Patrika Puraskar** | For Promoting the cause of Patrika by inducting new subscribers/advertisments or any social upliftment |
| **K** | **SAMMAN** | |
| K-1 | **Shikhar Bhargava Memorial Samman (Delhi), Rs.3,50,000/-** | National : To the person (preferably between 50 & 65 years) for outstanding achievement in any walk of life. |
| | **1.** Became Head of any organisation with Turn over of Rs. 500 Crore or more. **2.** M.D. / C.E.O./Chairman of any autonomous body or Government organisation. **3.** Elevated to the position of Secretary at Central Government or Chief Secretary at State level. **4.** Chief Justice of High Court or Judge of Supreme Court. **5.** Outstanding contribution in research and development in any field at National or International level. **6.** Winner of Padma Awards & Arjun Awards 7. Any Achievement comparable to above | |
| K-2 | **Shikhar Bhargava Memorial Puraskar (Delhi), Rs.2,50,000/-** | National : The person (preferably 40 years or less) should have excelled in any one or more of the following areas and should preferably be a first generation entrepreneur in his field. |
| | **1.** Governance of a Limited Company or a Private Limited company., **2.** Should have succeeded in turning a sick unit incurring losses for three or more years into a nett profit earner for at least three subsequent years, **3.** The unit should have achieved growth rate of 25% or more consecutively for at least three years. (**Note**: Minimum turnover of the unit should be Rs 5 crore P.A. applicable for above 3 categories), **4.** The entrepreneur should have contributed by way of any innovative idea or innovation in product development/processes development or succeeded in procuring patent/s. | |

# AKHIL BHARATIYA BHARGAVA SABHA (Regd.)

*Office:* G-197, Sarita Vihar, New Delhi-110 076

Tel. (011) 65955086, 41403536 • Email : abbs@airtelmail.in

**Proforma for Details of Proposed awardee for Awards for Adhiveshan December 2010**
**(Period from Oct. 2009 to Sept. 2010)**

Name of Awards applied for : 1. ______________________________

2. ______________________________

3. ______________________________

1 Name : **Dr./Sh./Smt./Km.** ______________________________

2. Date of Birth : Date ☐☐ Month ☐☐ Year ☐☐☐☐

3. Father's Name (in full) : ______________________________

4. Mother's Name (in full) : ______________________________

5. Spouse Name (in full) : ______________________________

6. Full Address : ______________________________

______________________________ Pin code ____________

7. Contact Nos. : (R) ( ) ______________ (O) ( ) ______________

Mobile : ____________ Email : ______________

8. Educational Qualifications : ______________________________

______________________________

9. Present Occupation : ______________________________

(*Address, if different from above*) ______________________________

10. Details of Achievements *(Please use additional sheet if required)* : ______________________________

______________________________

______________________________

11. I had read the rules and abide by them.

12. I am ( ) applicant, ( ) proposing name above person.

Signature: ______________________

Full Name: ______________________

Date : ______________ Add *(if proposer)* ______________________

*Please enclose :—* ______________________________

(1) Recent colour photograph.

(2) Attested copies of certificates and testimonials for the period from Oct. 2009 to Sept. 2010

(3) Brief resume of the proposed person for award.

**(This proforma should be returned duly filled and with all enclosures so as to reach Akhil Bhartiya Bhargava Sabha office on or before 15.10.2010)**

# लखनऊ के आदर्श भार्गव दम्पति

## श्री जगदीश प्रसाद एवं श्रीमती सरोज - वैवाहिक जीवन की 50वीं वर्षगाँठ

**जीवन में मिले हर खुशी सुखमय हो संसार आपका।**
**फूल खिलें रंग-बिरंगे जीवन में यही है मनोकामना हमारी।।**

लखनऊ निवासी श्री जगदीश प्रसाद भार्गव (सुपुत्र स्व. श्रीमती कलावती-स्व. पं. शिव दयाल भार्गव) एवं श्रीमती सरोज भार्गव (सुपुत्री स्व. श्रीमती रामेश्वरी देवी-स्व. पं. प्रकाश चन्द्र भार्गव) के वैवाहिक जीवन की स्वर्ण जयन्ती का आयोजन 11.5.2010 को आपके ज्येष्ठ पुत्र श्री राजीव-पुत्रवधु श्रीमती निधि, कनिष्ठ पुत्र श्री अक्षय-पुत्रवधु श्रीमती शैफाली, पुत्री श्रीमती मनु-दामाद श्री नीरज, पौत्र-पौत्रियों, दौहित्र-दौहित्री व अन्य पारिवारिक सदस्यों ने अति उत्साह के साथ आकर्षक रूप से किया।

परिणय बन्धन में 11.5.1960 को बंधे दोनों व्यक्तित्वों ने अपने वंशवृक्ष को फलने-फूलने एवं हरा-भरा रखने के लिए कठिन परिश्रम किया।

आपके बच्चों का मानना है कि आप ही हैं जिन्होंने उनको अंगुली पकड़ कर चलना सिखाया, हम सबको विनम्रता, सभ्यता, अच्छे संस्कार और सहन शक्ति का पाठ पढ़ाया तथा जीवन में संघर्ष करके आगे बढ़ने का आत्म विश्वास दिया और जीवन में सदैव आगे बढ़ने की सही राह दिखाई। आपकी जीवन शैली से सीख लेकर हम एक शानदार जिन्दगी यापन करने लायक बने। पुत्रवधुओं का मानना है कि माततुल्य सास का वात्सल्य व पितातुल्य ससुर के दुलार ने हमें माता-पिता के आँगन छोड़ने का बोध ही नहीं होने दिया।

श्री जगदीश प्रसाद ने खड़गपुर से बी.आर्क. पास करके सेवा निवृत्त होने तक अनेक ऊँचे पदों पर रहकर विभाग के शीर्ष पद चीफ टाउन प्लानर, उ.प्र. पर सुशोभित होकर इराज लखनऊ मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल, हरदोई रोड, लखनऊ के ट्रस्टी तथा 600 करोड़ टर्न ओवर की कम्पनी के चेयरमैन बनकर अपने समाज का मान बढ़ाया। 10 वर्षों से भी अधिक समय से लखनऊ भार्गव सभा के संरक्षक पद पर रहते हुए भार्गव समाज में भी आपका विशेष योगदान रहा है और आशा है भविष्य में भी वे हमें अपने मार्गदर्शन से अनुग्रहीत करते रहेंगे। श्रीमती सरोज ने भी लखनऊ भार्गव महिला सभा व अन्य समाजसेवी संस्थानों के माध्यम से समाज की सेवा की चाहे वे किसी पद पर रही हों या नहीं।

**इस अवसर पर इस युगल दम्पत्ति ने अखिल भारतीय भार्गव सभा को स्व. श्रीमती कलावती-स्व. पं. शिव दयाल भार्गव पुरस्कार निधि स्थापित करने के लिए रु. 50,000 की राशि भेंट की है, जिसके लिए अखिल भारतीय भार्गव सभा आपके प्रति आभार व्यक्त करती है।**

## स्व. श्रीमती कलावती - स्व. श्री शिवदयाल भार्गव स्मृति निधि, लखनऊ
## राशि रुपये 50,000/-

श्रीमती सरोज एवं श्री जगदीश प्रसाद भार्गव ने 11 मई, 2010 को अपने विवाह की स्वर्ण जयन्ती मनाई। श्री जगदीश जी ने अपने स्व. माताजी एवं पिताजी की स्मृति में "श्रीमती कलावती श्री शिवदयाल स्मृति निधि" स्थापित करने हेतु रु. 50,000/- की धनराशि अखिल भारतीय भार्गव सभा को दी है।

निधि की धनराशि से अर्जित वार्षिक ब्याज का उपयोग आर्किटैक्चर, टाउन प्लानिंग, अर्बन प्लानिंग, लैण्ड स्केपिंग के क्षेत्र में किए गए प्रशंसनीय कार्य करने वाले सुयोग्य छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत करने में उपयोग किया जाएगा। सुयोग्य छात्र/छात्राओं के न मिलने पर ब्याज की धनराशि को आगे बढ़ा दिया जाएगा।

श्रीमती कलावती भार्गव एक मिलनसार घरेलू गृहणी के साथ-साथ एक शिक्षित महिला थीं। वह सदैव निर्धन लड़के/लड़कियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने एवं उनके विवाह कराने में तत्पर रहीं। आप लखनऊ भार्गव महिला सभा के कार्यक्रमों में बहुमूल्य योगदान देती रही हैं। आप लखनऊ महिला सभा की अध्यक्षा भी रहीं। श्री शिव दयाल भार्गव, लखनऊ के एक प्रतिष्ठित नागरिक थे आप शिक्षा विभाग से प्रिंसिपल के पद से सेवा निवृत्त हुए। उन्होंने शिक्षण सामग्री के निर्माण में अपना सराहनीय योगदान दिया। मन्द बुद्धि के लड़के तथा लड़कियों को निःशुल्क विशेष शिक्षा प्रदान की। आप अखिल भारतीय एवं लखनऊ भार्गव सभा की शिक्षा एवं अन्य समितियों के संचालन में सेवानिष्ठ कार्यकर्ता के रूप में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते रहे। स्थानीय भार्गव सभा के अध्यक्ष एवं सचिव के पदों को आपने सुशोभित किया। भार्गव सभा की उन्नति एवं विकास हेतु यथाशक्ति प्रयास करते रहे। उनका जीवन आज भी प्रासंगिक है।

इनके सुपत्र श्री जगदीश प्रसाद भार्गव तथा पुत्रवधू श्रीमती सरोज भार्गव; पौत्र, पौत्रवधू, पुत्री एवं उनके पति के सहयोग से निधि की स्थापना की गई है। श्रीमती सरोज भार्गव कई समाजसेवी संस्थाओं से जुड़ी है और लायन्स क्लब की श्रेष्ठ महिला के पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं। आप प्रत्येक वर्ष कन्याओं के विवाह एवं शिक्षा के लिए धन एकत्रित कर आयोजनों को सफल बनाती हैं। श्री जे. पी. भार्गव, सेवा निवृत्त मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक (उत्तर प्रदेश) हैं तथा वर्तमान में रुद्राभिषेक इण्टरप्राइजेज प्रा. लि. के अध्यक्ष है इस संस्था द्वारा बड़े नगरों, जिनका क्षेत्रफल 1500 एकड़ से अधिक हो के नियोजन, निर्माण, विकास एवं आर्थिक संरचना का कार्य किया जाता है। आप एराज मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल के ट्रस्टी हैं, आप यूनीसेफ तथा टाटा कन्सलटेन्सी के सलाहकार हैं। आप पिछले एक दशक से स्थानीय भार्गव सभा के संरक्षक के रुप में भार्गव समाज की सेवा कर रहे हैं।

सहयोगी: **नीरज-मनू; राजीव-निधी; अक्षय-सैफाली**

## अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा

# कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक

अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की सत्र 2010-12 की कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक 25.7.2010 को भार्गव महिला सभा आगरा द्वारा आगरा में होना निश्चित हुई है। कार्यकारिणी समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों, सदस्यों, मनोनीत सदस्यों, भूतपूर्व अध्यक्षों से अनुरोध है कि वह इस बैठक में समय से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

**दिनांक:** 25 जुलाई 2010

**समय:** प्रात: 11.00 बजे

**बैठक स्थल:** निर्मल विला, मथुरा रोड, आगरा

15/248, सिविल लाइन्स, कानपुर
फोन: 0512-2306386, मो. 09415100808

**डा. रेनू भार्गव**
सचिव

## अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा

# विवाह परामर्श शिविर - 2010

अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा के तत्वाधान में एक दिवसीय विवाह परामर्श शिविर जयपुर नगर में सितम्बर, 2010 में प्रस्तावित है।

शिविर मुख्यत: अधिक उम्र के युवक/युवतियों (28 वर्ष के ऊपर युवतियाँ तथा 35 वर्ष से ऊपर युवक) तलाकशुदा, विधवा व विधुर प्रत्याशियों हेतु आयोजित किया जायेगा।

विस्तृत जानकारी शीघ्र ही प्रकाशित की जायेगी। अधिक जानकारी हेतु निम्न से सम्पर्क करें-

**श्रीमती लक्ष्मी भार्गव**
अध्यक्ष
फोन: 0141-2602326
मो. 09414241147

**श्रीमती रजनी भार्गव**
संयोजिका
फोन: 0562-2850113
मो. 09837061093

**डा. रेनू भार्गव**
सचिव
फोन: 0512-2306386
मो. 09415100808

# ठाकुर किशोरी रमण जी महाराज

**विराजमान लाल दरवाजा, मथुरा, यू.पी.**

## आवश्यकता है

**ठाकुर किशोरी रमण जी महाराज मथुरा के ट्रस्ट की समस्त जायदाद की देख भाल हेतु एक मैनेजर की आवश्यकता है। रिटायर्ड मिलिटरी आफिसर को प्राथमिकता दी जायेगी। वेतन क्षमतानुसार दिया जायेगा। तुरन्त सम्पर्क करें अथवा लिखें :-**

**ट्रस्टीज ठाकुर किशोरी रमण जी महाराज**

1. जस्टिस एस.एन. भार्गव, 20/46, रेणु पथ, अम्बेडकर मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
   फोन: 0141-2390304, मो. 09414044461
2. डा. ए.के. भार्गव, 8/132, विद्याधर नगर, जयपुर
   फोन: 0141-2334584, मो. 09829079097
3. डा. के.के. भार्गव, डी-170, बापू नगर, सरस्वती एपार्टमेंट, जयपुर
   फोन: 0141-2712107, मो. 09529888180


**श्री डहरा उत्सव समिति, अलवर ( राजस्थान )**

कार्यालय: मेहताब सिंह का नोहरा, अलवर

फोन नं. (प्रधान) 0144-2333142, (सचिव) 0144-2703999, मोबाइल : 09414016999

# विनम्र निवेदन

मान्यवर,

सन्त शिरोमणि स्वामी चरणदास जी महाराज का 308 वाँ जन्मोत्सव (10 सितम्बर, शुक्रवार) 09 से 11 सितम्बर, 2010 तक ग्राम डहरा (शाहपुर) अलवर में बड़ी धूमधाम से मनाया जायेगा। इस सन्दर्भ में आपसे निवेदन है कि आप अपने शहर के ज्यादा से ज्यादा स्वामी चरणदास जी के भक्त जनों को उत्सव में लाने का श्रम करें। पूर्व सूचना प्राप्त होने पर उनके ठहरने व खाने की नि:शुल्क व्यवस्था समिति की ओर से की जावेगी।

जन्मोत्सव पर भण्डारे की व्यवस्था की जाती है जिसमें आस-पास के कई गाँवों व शहरों के हजारों की संख्या में भक्त लोग प्रसाद पाने आते हैं। अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि भण्डारे में सहयोग के लिए निम्नलिखित में से आप भी कोई भी सामान के मददे दान राशि का चैक या डी.डी. 'डहरा उत्सव समिति, अलवर' के नाम से भेज कर भण्डारे में सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

(1) घी का पीपा 1150/-; (2) चीनी की बोरी 3100/-; (3) रिफाइंड ऑयल 1250/-; (4) गेहूँ की बोरी 1500/-; (5) नीबू मिर्च अचार वास्ते 3100/-; (6) मसाले 7100/-; (7) सब्जी के मद में 3100/-

धन्यवाद!

| **गोपालनाथ भार्गव** | **रविन्द्र नाथ भार्गव** | **मुकेश भार्गव** | **बनवेश भार्गव** |
|---|---|---|---|
| संरक्षक | अध्यक्ष | कोषाध्यक्ष | सचिव |

**वैचारिक मंथन**

# ये कैसी धार्मिक आस्था

हमारे हिन्दू समाज में देवी देवताओं की प्राचीन काल से ही पूजा की जाती रही है जो आज भी प्रचलन में है। शुक्र है, कलयुग के इस समय में, भगवान के नाम पर थोड़ी बहुत आस्था एवं श्रद्धा हम लोगों में बाकी है। लेकिन पिछले कुछ समय से मेरे मन में यह विचार आ रहा है कि ये ढोंग और पाखण्ड किस काम का।

मैं हाल ही में गोवर्धन गया एवं पूर्व में भी जाता रहा हूँ। यहाँ आस्था एवं भक्ति के नाम पर हजारों लीटर दूध भगवान पर चढ़ा दिया जाता है। यही नहीं, यह दूध वाइपर के माध्यम से नालियों में डाला जाता है। लोगों के पैरों में चिपकता है। नालियों में दूध सड़ता रहता है, बदबू आती रहती है। इसका क्या औचित्य है। आज हमारे देश में करोड़ों गरीब बच्चे ऐसे हैं जिन्हें दूध नसीब नहीं होता। 'लावारिस' पिक्चर (अमिताभ बच्चन) में भी कुछ ऐसा ही होता है जहाँ बच्चे को दूध नहीं मिलता है और वो रोता रहता है लेकिन जैसे ही ऊपर की बर्थ से एक छोटी सी कटोरी से दूध नीचे आता है और दो बूँद दूध ही उसको इतना सुख देती हैं कि वह सो जाता है। क्या हम लोग ऐसा नहीं कर सकते कि जो दूध हम आस्था के नाम पर व्यर्थ ही बहा देते हैं उसे हम गरीब व असहाय बच्चों को दें जिससे हमें ज्यादा सुकून मिलेगा। भगवान ये नहीं कहते हैं कि मेरे ऊपर चढ़ावा चढ़ाओ, वो तो कहते हैं कि मन में श्रद्धा व भक्ति रखो। मैं तो वैसे ही प्रसन्न हो जाऊँगा। तभी पुराने ग्रन्थों में कहा भी गया है 'निर्धन की सच्चे मन से की गई सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है।'

जरा गौर करिये हम हिन्दुओं के मन्दिरों में कितनी गन्दगी रहती है, इसके विपरीत गुरुद्वारों, गिरजाघर आदि कितने साफ रहते हैं। क्यों? कारण यह है कि हमारी आस्था ही मन्दिरों को गन्दा करती है। शिवजी के मन्दिरों में दूध, पानी चढ़ाया जाता है जो कीचड़ बन जाता है जिससे मन्दिर गन्दा होता है। अतः हमें सोचना चाहिये कि हम अपने मन्दिरों को साफ रखें व भगवान की सच्ची सेवा करें।

**( यह सोच व्यक्तिगत है, इससे किसी की आस्था को ठेस पहुँचाने की इच्छा नहीं है, परन्तु विवेकपूर्ण है )**

**विपुल भार्गव**, 331, स्कीम नं. 8, अलवर, मो. 09414387116

## भार्गव पत्रिका का शुल्क एवं धरोहर राशि योजना

(1) **वार्षिक शुल्क** (अप्रैल 2010 से मार्च 2011 तक) 120 रुपये है। वार्षिक शुल्क मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट से **"भार्गव पत्रिका"** के नाम **जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076** पर भेजें।

(2) **धरोहर राशि योजना** - यदि आप भार्गव पत्रिका निरन्तर मंगवाना चाहते हैं तो **धरोहर राशि** के रूप में 1,500 रुपये **"अखिल भारतीय भार्गव सभा"** के नाम से ड्राफ्ट द्वारा **जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076** पर भेजें।

**नोट : धरोहर राशि** से आपको भार्गव पत्रिका उस समय तक भेजी जाती रहेगी, जब तक इसका वार्षिक शुल्क 120 रुपये रहेगा। वार्षिक शुल्क बढ़ जाने की दशा में अतिरिक्त धनराशि भेजने हेतु अनुरोध किया जाएगा। यदि भविष्य में आप भार्गव पत्रिका के ग्राहक न रहना चाहेंगे तो आपकी सूचना अथवा अनुरोध पर धरोहर राशि आपको वापिस कर दी जायेगी।

# बुजुर्गों की चाह

**'पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगकर संस्कारों का हो रहा पतन।**
**आपको, हमको, सबको तय करना है, कैसे करें इनका जतन॥'**

आज भारतीय संस्कृति पाश्चात्य संस्कृति के सामने फीकी होती जा रही है। आज का युवा फिल्मों, टी.वी., ग्लैमर की चकाचौंध में खो गया है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली एवं कम समय में आगे बढ़ने की चाहत ने संयुक्त परिवार तोड़ एकल परिवार की ओर कदम बढ़ाए हैं। इस प्रथा के कारण वृद्धजन अकेले रहने को मजबूर हो गए हैं। कुछ परिवारों में तो वृद्ध तिरस्कृत, अपमानित जीवन जी रहे हैं। Old Age Home की तरफ रुख कर रहे हैं। क्यों? हमारी भारतीय संस्कृति यह तो नहीं सिखाती।

यद्यपि बुढ़ापा बचपन का पुनरागमन होता है — इस समय वृद्ध जिद्दी, रूठने वाले, नाराज़ होने वाले बच्चे की तरह व्यवहार करने लगते हैं लेकिन फिर भी युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि माता-पिता के कारण ही इस सुन्दर संसार को महसूस करने के साथ वे शिक्षित व इन कामयाब ऊँचाइयों तक पहुँचे हैं। उनके आशीर्वाद से ही वे सफल हैं। इसलिए हमेशा उनका आदर करना चाहिए और उनके खट्टे मीठे अनुभवों से अपने जीवन में बहार लाने की कोशिश करनी चाहिए। युवा अपने छोटे बड़े फैसलों में उन्हें शामिल कर मान देते हैं तो वे खुश भी होंगे। साथ ही उन्हें फैसले लेने में तकलीफ भी नहीं आएगी। सहानुभूति-थोड़ी सी भी दिखाने पर वे खुश हो जाते हैं।

उन्हें सुकून भी मिलता है जैसे तबियत कैसी है, दवा ली कि नहीं, डॉ. के पास कब जाना है आदि थोड़ी सी अहमियत - कोई भी काम छोटा हो या बड़ा बताकर करें तो वे खुश रहते हैं। उन्हें बड़ा होने का अहसास रहता है। **थोड़ा सा आर्थिक सहयोग** - अपने बच्चों पर, स्वयं पर चाहे जितना आप खर्च करें। उन्हें कोई तकलीफ न होगी यदि उन्हें थोड़ा-थोड़ा आर्थिक सहयोग देते रहें तो उन्हें अच्छा लगेगा। सीधे-सीधे शायद न लें पर जन्मदिन, त्यौहार या किसी खुशी के मौके पर आप यह कर सकते हैं।

**थोड़ा सा मानसिक सहयोग** - आर्थिक के साथ-साथ मानसिक सहयोग की भी बुजुर्गों को चाहत होती है। वे चाहते हैं कोई उनकी खुशी में खुश हो। थोड़ा सा समय - तकनीकी युग में आज युवा पीढ़ी को दिन के 24 घंटे भी कम पड़ते हैं। लेकिन उन्हें नहीं भूलना चाहिए कि माता-पिता ने अपनी उम्र न्यौछावर कर दी, वे आपसे कुछ पल चाहते हैं। क्योंकि सूनापन, सन्नाटा, अकेलापन सभी को अखरता है। सोचो यदि बचपन में आपके साथ ऐसा होता, तो क्या होता। आप मानसिक रोगी हो जाते, अन्यथा इतने कामयाब शायद न हो पाते।

किसी ने ठीक ही कहा है - **संस्कार तो नदी के प्रवाह की भाँति ऊपर से नीचे बहते हैं। बच्चे शिक्षा, भाषण से नहीं अनुसरण से सीखते हैं।**

हो सकता है जो सुविधाएँ आप चाहते थे आपके माता-पिता न दे सके हों, उनकी कोई मजबूरी रही हो, आय सीमित रही हो, लेकिन अब आपकी बारी है उनको खुशी देने की, उन्हें घूमने का मौका दें, किसी रिश्तेदार से मिलाएँ, नहीं तो घर में ही कुछ मनोरंजन की व्यवस्था करें।

अपने बच्चों को बुजुर्गों के सम्पर्क में रखें। उन्हें भी सेवा, विनम्रता, आज्ञा पालन करना सिखाएँ, क्योंकि

**'हर शिखर को नींव पर विश्वास होता है क्योंकि हर नींव ही शिखर का इतिहास होती है।'**

एक उम्र के बाद माता-पिता ताजमहल, लालकिला देख कर नहीं बल्कि अपने बच्चों को देखकर खुश होते हैं। साथ ही अपनी सन्तान की प्रगति और गौरव का एक कारण स्वयं को मानकर खुद गौरवान्वित महसूस करते हैं। अपने बुजुर्गों को मान सम्मान खुशी देकर भविष्य संवारिये। युवा पीढ़ी का जीवन सार्थक हो सकता है।

सत्य है तेजी से बदलते समय के कारण प्राथमिकताओं में परिवर्तन आया है, किन्तु इसके कारण जीवन मूल्यों में बदलाव या टकराहट की ध्वनि नहीं आनी चाहिए।

386, सुन्दर विलास अजमेर, फोन: 0145-2431202 **श्रीमती अंशु भार्गव** (धर्मपत्नी श्री राजकुमार भार्गव)

## ढोसी पर्वत एवं नारनौल का रामेश्वर मन्दिर

ढोसी पर्वत के आकर्षण का मुख्य कारण था ढोसी मन्दिर तथा वहाँ पर भार्गव समाज द्वारा हवन और भंडारा करना। उसी ढोसी पर्वत को देखने का मेरा मन इसलिये भी अधीर हो रहा था, क्योंकि उस विशेष पर्वत पर हमारे पूर्वजों, भृगु ऋषि व च्यवन ऋषि जैसे मुनियों ने वर्षों तपस्या की। आखिर वह समय आ ही गया। 24 जनवरी 2010 की सुबह, कँपकपाती सर्दी, ऊपर से कोहरे से ढकी दिल्ली से प्रातः सवा नौ बजे हमने ढोसी पर्वत के लिये प्रस्थान किया। करीब चार घंटे में अर्थात् 1 बजकर 15 मिनट पर हमने उस पवित्र धरती के दर्शन किये। मन्दिर तक पहुँचने के लिये लगभग 750 सीढ़ियों को पार करना था। मैं ऊपर जाने की बहुत इच्छुक थी लेकिन उचित सीढ़ियाँ बनी न होने के कारण मैं दूसरी सीढ़ी से ही वापिस आ गई। मन को निराशा हुई। ऊपर न पहुँचने का मलाल था लेकिन वह कुछ क्षण ही रहा। क्योंकि हमने आस-पास की जगह देखने का मन बना लिया।

मैं और नलिनी भार्गव (गुड़गाँव) कार से गाँव की छटा देखने के लिये चल दिये। एक तरफ ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ, दूसरी तरफ भागते हुये पेड़-पौधों, फूली-फूली सरसों, साफ सुथरी सड़क पर सरपट दौड़ती हमारी गाड़ी, खुला आसमान, मनमोहिनी ठंडी हवा का आनन्द ले रहे थे। थोड़ा पूछताछ करते हुये हम लोग नारनौल पहुँचे जो कि करीब 14 किलोमीटर था। वहाँ से करीब नौ किलोमीटर दूर **रामेश्वर मन्दिर** के लिये रवाना हो गये।

मन्दिर में प्रवेश करने पर ही बीच हॉल में हनुमान जी की मूर्ति थी। हम लोग मन्दिर के प्रांगण में पहुँचे। सामने एक लाइन में पहले राधाा कृष्ण की मूर्ति, बीच में राम दरबार और अन्त में शिव पार्वती विराजमान थे। हमारे दाँये और बाँये दोनों तरफ दीवारों पर पेंटिंग लगी थी। कुछ सीधे दीवार पर ही पेंट किया हुआ था, जिसमें प्रभु के अलग-अलग रूप में अलौकिक दर्शन हो रहे थे, चाहे वह राधा कृष्ण या शिव पार्वती अथवा सीता राम हों। सब तरफ अद्‌भुद दृश्य था। बीच-बीच में खम्बे थे जिन पर भी सुन्दर कारीगरी की गयी थी। कुछ पर मूर्ति बनी हुई थी। बाहर निकलने पर हॉल के सीधे हाथ पर खूबसूरत पेन्टिंग्स थी जिसमें नृसिंह भगवान का रूप लाजवाब था, कुछ देवियों की मूर्ति स्थापित की गई थी। और अन्त में बड़ी हनुमान की मूर्ति थी, कंधे पर राम लखन विराजमान थे बीच में गणेश जी की बड़ी प्रतिमा थी। दूसरी तरफ विभिन्न देवियों और सन्तों की मूर्ति स्थापित की गई थी। कुछ स्थानों को बन्द कर रखा था सिर्फ बाहर जाली से ही दर्शन कर सकते थे। एक कमरे में नौ देवियों की प्रतिमायें स्थापित की गई थीं, काली देवी की भव्य मूर्ति थी। एक तरफ काफी बड़े से शालीग्राम बने थे।

बराबर में एक कमरा 'गीता भवन' के नाम से था उसमें एक तरफ राधा कृष्ण की मूर्ति, भगवान शंकर का परिवार और पंचमुख हनुमान की प्रतिमा थी। दीवारों पर गीता के अठारह अध्याय लिखे हुये थे। एक छोटी जगह पर सन्त तुलसीदास की प्रतिमा थी दरवाजे पर उनके पहरेदार बने थे जो इस बात का संकेत करते हैं कि जिस समय तुलसीदास रामायण की कथा लिखे रहे थे उसमें कोई विघ्न न पड़े।

इस तरह बहुत से सन्तों के दर्शन मूर्तिरूप में किये जिनका अलग-अलग उल्लेख करना मुश्किल है। तथापि हम लोगों ने उस जगह को बहुत सराहा और दर्शन करने का आनन्द लिया। उसके बाद करीब चार बजे हम लोग ढोसी पर्वत पर वापिस पहुँचे, जहाँ सब खाने पर हमारा इन्तजार कर रहे थे। वहाँ प्रसाद ग्रहण कर भंडारे का आनन्द लिया और खुशनुमा यादों के साथ हम वापिस दिल्ली के लिये चल दिये।

सी-75, सरिता विहार, नई दिल्ली, फोन: 011-26948615 — **मीरा भार्गव**

# निर्जला एकादशी, 22 जून 2010, के अवसर पर

हिन्दू धर्म के मूलाधार व्रत, उत्सव, पूजा अर्चना आदि का अपना-अपना धार्मिक, अध्यात्मिक, सामाजिक व लोकिक महत्व है। वर्ष की चौबीस तथा पुरुषोत्तम मास की दो एकादशियाँ हैं। ज्येष्ठ मास की शुक्लपक्ष की एकादशी ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण व फलदायनी है। शास्त्रों का कथन है कि इस एकादशी का पूर्ण व्रत दशमी की सन्ध्या से द्वादशी की सुबह तक निर्जल व निराहार रहने पर होता है।

निर्जला एकादशी को प्रात:काल ब्रह्म मुर्हूत में उठकर, नित्य कर्म और पूजा-अराधना के पश्चात् भगवान विष्णु की विधिवत् पूजा करनी चाहिये, **'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय: नम:'** मन्त्र का जाप करना चाहिये व निम्न प्रार्थना करनी चाहिये:-

**ॐ शान्ताकारं भुजगशयनं पदम् नामं सुरेशम्।**
**विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभांगम्॥**
**लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यम्।**
**वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलौकैकनाथम्॥**

इस एकादशी के दिन अपनी शक्ति व सामर्थ्य अनुसार ब्राह्मणों को अनाज, वस्त्र, छतरी, फल, जल से पूर्ण कलश, शर्बत, पंखा, पात्र, उपानह (जूती) और दक्षिणा देने का विधान है। इस व्रत में स्नान और आचमन के अतिरिक्त जल ग्रहण करना वर्जित है। इस एकादशी के दिन दान का संकल्प करते हुये निम्नांकित मन्त्र का उच्चारण करना चाहिये:-

**देवदेव ऋषिकेश संसारर्णवतारक। उदकुम्भप्रदानेन नय गां परमां गीतम्॥**

अर्थात संसार सागर से तारने वाले हे देवदेव ऋषिकेश! इस जल के घड़े का दान करने से आप मुझे परमगति की प्राप्ति कराइये।

निर्जला एकादशी को भीमसेन एकादशी या पाण्डव एकादशी भी कहा जाता है। अन्तर्कथानुसार एक बार भीम ने महर्षि व्यास से कहा 'हे भगवान! माता कुन्ती, मेरे सभी भाई व द्रोपदी सभी एकादशी का व्रत करते हैं और मुझसे भी व्रत करने को कहते हैं, पर मैं भोजन के बिना नहीं रह सकता, मेरे पेट मे वृक नाम की अग्नि सदा प्रज्ज्वलित रहती है अत: जब मैं बहुत खाता हूँ तभी वह शान्त होती है। मैं वर्ष भर में एक ही उपवास कर सकता हूँ जिससे स्वर्ग की प्राप्ति सुलभ हो।' अत: पितामह व्यास ने भीम की समस्या का निदान करते हुए कहा कि 'आप ज्येष्ठ मास की शुक्लपक्ष की निर्जला नाम की एक ही एकादशी का व्रत करो और तुम्हे वर्ष की 24 एकादशियों का फल प्राप्त होगा। नि:सन्देह तुम इस लोक में सुख, यश और प्राप्तव्य प्राप्त कर मोक्ष लाभ प्राप्त करोगे।' यह आश्वासन पाकर वृकोदर भीम ने इस एकादशी का निर्जल व निराहार रहकर विधिवत् व्रत किया और उसे वर्ष भर की 24 एकादशियों का पुण्य लाभ प्राप्त हुआ। पाप मुक्ति और मृत्युभय मुक्ति हेतु भी यह व्रत श्रेष्ठतम है। इस एकादशी का व्रत करने से अन्य एकादशियों पर अन्न खाने का दोष दूर हो जाता है तथा समस्त पापों से मुक्त होकर प्राणी अविनाशी पद प्राप्त करते हैं।

वन्दे विष्णुं, इति श्री।

331, स्कीम नं. 8, गाँधी नगर, अलवर-301001 **श्रीमती वीणा भार्गव**

# मधुमेह (डायबिटीज) नियन्त्रण की शक्ति आपके पास है

## मधुमेह की जानकारी तथा सम्बन्धित लाभ

### मधुमेह क्या है?

मधुमेह एक गम्भीर बीमारी है। इसका अर्थ यह है कि आपका ब्लड ग्लूकोज़ (जिसे अक्सर ब्लड शुगर कहते हैं) बहुत ज्यादा है। आपके खून में थोड़ा ग्लूकोज़ हमेशा रहता है क्योंकि आपके शरीर को ऊर्जा के लिए इसकी ज़रूरत होती है। परन्तु आपके खून में अत्यधिक ग्लूकोज़ आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं।

### मुझे अपना मधुमेह क्यों नियन्त्रित रखना चाहिए?

मधुमेह पर काबू रखेंगे तो बेहतर महसूस करेंगे और स्वस्थ रहेंगे। अपने ब्लड ग्लूकोज़ को सामान्य के आसपास रखने से हृदय, आँख, किडनी और तन्त्रिका की समस्याएँ होने की सम्भावना कम हो जाती है।

### मुझे अपने ब्लड ग्लूकोज़ की जाँच क्यों करनी चाहिए?

अपने ब्लड ग्लूकोज़ स्तरों की जाँच से मधुमेह नियन्त्रित रखने में मदद मिलती है। इससे आपको और आपके डॉक्टर या आपके स्वास्थ्य देखभाल दल को आपकी उपचार योजना में परिवर्तन करने में मदद मिलेगी। आप अपने ब्लड ग्लूकोज़ की जाँच खुद करके उसके स्तरों का पता कर सकते हैं। आहार, दवाएँ, शारीरिक गतिविधियाँ, बीमारी या तनाव आपके स्तरों को प्रभावित कर सकते हैं। अपने मधुमेह पर नियन्त्रण के लिए आपको अपना ब्लड ग्लूकोज़ नम्बर और निर्धारित लक्ष्य जानना चाहिए।

### मेरे ब्लड ग्लूकोज़ का स्तर क्या होना चाहिए?

आपके डॉक्टर आपका ब्लड ग्लूकोज़ लक्ष्य निर्धारित करेंगे। अधिकतर लोगों के लिए उनके स्तर निम्नलिखित होने चाहिए:-

| **प्लाज़्मा संख्या** | **सम्पूर्ण रक्त स्तर** |
|---|---|
| भोजन पूर्व 90-130 | भोजन पूर्व 80-120 |
| भोजन के 1-2 घंटे बाद, 180 से कम | भोजन के 1-2 घंटे बाद, 170 से कम |

### मुझे अपने ब्लड ग्लूकोज़ स्तर की जाँच कितनी बार करनी चाहिए?

आपके डॉक्टर बताएँगे कि ब्लड ग्लूकोज़ स्तर की जाँच कब और कितनी बार करनी चाहिए। सामान्यत: इसकी जाँच भोजन के पहले, भोजन के बाद और सोते समय की जाती है। जो इंसुलिन लेते हैं उन्हें अपने ग्लूकोज़ की जाँच ज्यादा बार करनी होती है।

### मेरे ब्लड ग्लूकोज़ स्तरों को क्या प्रभावित कर सकता है?

अपने आहार का ध्यान रखें। अधिक रेशेदार, स्वास्थ्य आहार लीजिए (जैसे सब्ज़ियाँ, फल, सीरियल, अंकुरित चीज़ें आदि)। मिठाई, घी, मक्खन, तली चीज़ें न खाएँ और माँस तथा दुग्ध उत्पाद कम लें।

दिन में दो बड़े आहार न लें। ब्लड शुगर स्तरों को कम रखने के लिए छोटी मात्रा में कई बार खाएँ। शक्कर, अन्य कार्बोहाइड्रेट्स तथा नमक कम खाएँ।

**ऐसी चीज़ें न खाएँ जो ब्लड ग्लूकोज़ ज़्यादा बढ़ाती हैं:-** • सामान्य से ज़्यादा खाना, • अत्यधिक ग्लूकोज़ (शक्कर) युक्त चीज़ें, • सामान्य से कम व्यायाम, • तनाव, • बीमारी, • मधुमेह की दवा नहीं लेना।

**निम्नलिखित चीज़ें ब्लड ग्लूकोज़ को बहुत कम करती हैं:-** • सामान्य से कम खाना या भोजन देर से करना या नहीं करना, • सामान्य से ज़्यादा व्यायाम, • मधुमेह की दवाएँ ज़रूरत से ज़्यादा लेना।

**अपने मधुमेह के नियन्त्रण के लिए मुझे अन्य किन संख्याओं की जानकारी होनी चाहिए?**

मधुमेह के मरीजों को दिल के दौरे या स्ट्रोक का जोखिम ज़्यादा होता है। इसलिए आपको अपने रक्तचाप और कॉलेस्ट्रॉल संख्याओं पर भी नियन्त्रण रखना होगा। अपने हृदय के प्रति सतर्क रहें। अपने मधुमेह के एबीसी पर नियन्त्रण रखें।

**मधुमेह के एबीसी**

ए 1 सी (HBA1C) परीक्षण एक आसान प्रयोगशाला परीक्षण है, जिससे पिछले 3 महीनों में आपके औसत ग्लूकोज़ स्तरों का पता चलता है। आपका ब्लड ग्लूकोज़ व्यापक रूप से कितनी अच्छी तरह नियन्त्रित हो रहा है, ये जानने के लिए यह परीक्षण सबसे अच्छा तरीका है। यह जाँच हर वर्ष, कम से कम दो बार करायें। मधुमेह के अधिकतर मरीजों के लिए ए 1 सी स्तर 7 से कम होना चाहिये।

**बी यानि ब्लड प्रेशर ( रक्तचाप )**

मधुमेह के अधिकतर मरीज़ों का रक्तचाप 130/80 से कम होना चाहिए। उच्च रक्तचाप में आपके हृदय को ज़्यादा काम करना पड़ता है। इससे दिल का दौरा, स्ट्रोक या किडनी की बीमारी हो सकती है।

**सी यानी कॉलेस्ट्रॉल**

मधुमेह के अधिकतर मरीज़ों का एलडीएल कॉलेस्ट्रॉल सतर 100 से कम होना चाहिए। बुरा कॉलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल, जमा होकर आपकी रक्त नलिकाओं को जाम कर सकता है। इससे दिल का दौरा या स्ट्रोक हो सकता है।

**अपने भोजन की आदतों की समीक्षा भी जरूरी है**

- आप किस प्रकार के आहार कितना खाते हैं।
- अपने जीवन के प्रबन्ध और स्वस्थ आहार विकल्प चुनने के सुझाव

**बेहतर मधुमेह नियन्त्रण के लिए व्यायाम**

मधुमेह के मरीज़ों के लिए अपना वजन नियन्त्रित रखना बहुत महत्वपूर्ण है। नियमित व्यायाम आपको स्वस्थ और चुस्त रखेगा। यदि यह सम्भव नहीं तो अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार कम से कम इतना करें कि अधिक टहलें, साइकिल चलाएँ, सीढ़ियाँ चढ़ें और योगाभ्यास करें।

**मधुमेह नियन्त्रित रखने के कई लाभ हैं:-**

**तात्कालिक रूप से आप:-** • बेहतर महसूस करेंगे, • स्वस्थ रहेंगे, • अधिक ऊर्जा महसूस करेंगे।

**दीर्घकालीन रूप में आप:-** • दिल के दौरे और स्ट्रोक का जोखिम कम करेंगे, • आँख, किडनी और तन्त्रिका की समस्याओं का जोखिम कर करेंगे।

Resi. & Consulting Chamber:
104, 'O' Block, Kidwai Nagar, Kanpur-23
Mobile: 09415078022
Email: drrrbhargava@rediffmail.com

**डा. आर.आर. भार्गव**
M.D. (Med.), M.D. (Chest),
FCCP (U.S.A.), FNCCP(I)
Senior Consulting Physician & Chest Specialist
Sr. Vice President ABBS, New Delhi
Convener – International Medical Help & Advisory Samiti, ABBS, New Delhi

# जातीय समाचार

जातीय समाचार भार्गव पत्रिका कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होते हैं। समाचारों के साथ परिवार के मुखिया का नाम, पता एवं सम्पर्क फोन के अतिरिक्त भेजने वाले का नाम, पता एवं सम्पर्क फोन भी हम छापना चाहते हैं। उत्तम हो कि सभी समाचारों के साथ सम्बन्धित उपयुक्त चित्र भी भेजे जायें। **–सम्पादक**

## जन्म

**अजमेर:** श्रीमती शिवानी एवं श्री भारत भूषण (पुत्रवधू एवं सुपुत्र श्री गौरी शंकर-श्रीमती कुमुद, सुन्दर विलास) के यहाँ 13.4.2010 को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।

•

**अलवर:** श्रीमती रेणू एवं श्री हितेश (पुत्रवधू एवं पुत्र श्रीमती सुरेखा-श्री रघुवीर शरण) को 12.6.2010 को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।

## विशेष उपलब्धि

**Alwar:** Mrs. Garima (W/o Mr. Anshul and daughter-in-law of Mrs. Asha-Mr. Virendra Kumar) as a student of Sai Institute of Paramedical & Allied Sciences has topped the HNB Gharwal University's MPT exam for the year 2007-2009 and has received Gold Medal for the same.

•

**Kanpur:** Mr. Raghav (S/o Dr. (Mrs.) Renu-Dr. Kailash) has passed Class X of the ICSE Board with distinction in all subjects and has secured 96.8% marks. He is the topper in his school with 4th rank in the region.

•

**Ghaziabad:** Mr. Baikunth Nath, a retired Guard from Northern Railway, dedicated his life for social activities. During his Railway service, he was General Secretary of All India Guards Association under the Presidentship of Late Dr. L.M. Shinghvi, MP. He in company of other retired old persons, developed a big park in his colony II-A Nehru Nagar. The park named Shiv Vatika is being used for morning and evening walks by all. Yoga classes are also run in the morning. Mr. Baikunth Nath himself looks after all the activities conducted in the early morning as well as its maintenance during the day.

The residents of Nehru Nagar were not having a sub-Post Office. Mr. Baikunth Nath approached persistantly with postal authorities and even upto Hon'ble Minister of Communications, Govt. of India and got sanctioned the Sub-Post Office for the colony after 9 years of continuous efforts. Shri Baikunth Nath has also been nominated as a member of the Post Forum of 11 people constituted by the Deptt. of Posts, Ghaziabad Division.

He is still representing the Railway Pensioners' Welfare Association in connection with medical facility to them at Ghaziabad.

Mr. Baikunth Nath, at the age of 85 is an example for other old persons. In all earnest, every old person should make a goal and work hard for achieving it. **"Where There is a Will There is a Way."**

## उपलब्धि

**मुम्बई:** श्री प्रखर (सुपुत्र श्रीमती जागृता-श्री पंकज, वाशी, मुम्बई), जो कि कक्षा 10 का विद्यार्थी है, को उसके प्रोजेक्ट (ध्वनि से विद्युत उत्पादन) के लिए एन्टरप्रेनर्स द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

**मुम्बई:** डा. श्रीमती प्रेम (धर्मपत्नी डा. विजय कुमार) की द्वितीय पुस्तक 'कैसे बनें बालक संस्कारी और स्वस्थ' प्रकाशित हुई है। प्रकाशक राधाकृष्ण प्रकाशन, 7/31 अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली हैं।

●

**Gurgaon:** Miss Avi (D/o Mrs. Anju-Mr. Sanjiv and Gr. D/o Mrs. Kusum-Mr. Jagdish Saran of Dehradun) passed 12th Class CBSE Exam with 93.0% marks. Contact: D-507, Surya Vihar, Dundahera, Old Delhi-Jaipur Road, Gurgaon, Tel: 0124-4008425, M: 09811756257.

●

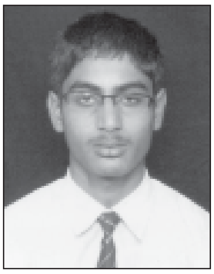

**Jaipur:** Mr. Apoorv (S/o Mrs. Charu-Mr. Raju and Gr. S/o Mr. B.N. Bhargava, Ph: 0141-2784102) passed 12th Class CBSE Exam with 92.2% marks with distinction in all subjects and securing highest marks in his school.

●

**Bangalore:** Mr. Ishaan (S/o Mr. Mohit-Mrs. Mala) passed his 10th Class Exam (CBSE) with 92% marks.

●

**Kanpur:** Miss Anshita (D/o Mrs. Anita-Mr. Vikram) has secured 91.7% marks in Xth I.C.S.E. Board examination held in March 2010 with distinction in all the subjects. Contact: 504, Shiv Ratan Estate, 6/25, Parvati Bagla Road, Kanpur-208011, Tel: 2546460.

●

**चन्दौसी:** कु. आकांक्षा (सुपुत्री श्रीमती संगीता-श्री अनुराग) ने 12th Class CBSE परीक्षा 91.2% अंकों के साथ उत्तीर्ण कर पूरे चन्दौसी में छात्राओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त किये। कु. आकांक्षा ने प्रयाग संगीत समिति से इस वर्ष प्रभाकर में पूरे मुरादाबाद में अधिकतम अंक प्राप्त किये। प्रेषक: (नानाजी) श्री सी.डी. भार्गव, डी-47, कमला नगर, आगरा-5, मो. 09837041218.

**पटना:** श्री अंकुर (सुपुत्र श्रीमती निधि-श्री लोकेश, दुहिता श्रीमती उषा-श्री वेद प्रकाश, 1-क-10 शास्त्री नगर, अजमेर, फोन: 0145-2424779) का चयन आई.आई.टी. में हुआ।

●

**Rewa:** Mr. Vanshaj (S/o Mrs. Chandni-Mr. Rohit and Gr. S/o Dr. S.K. Bhargava, Lucknow) passed his class III exam from Jyoti Sr. Sec. School with 99.6% marks and topped in all sections. Contact: Rohit Bhargava, LIG-6, Housing Board Colony, Boda Bagh, Rewa, Mobile: 09977000705.

●

**Ghaziabad:** Mr. Prashant (S/o Mr. Baleshwar Nath 'Zippy' and Gr. S/o Mr. Baikunth Nath) has passed his B.D.S. Exam. from CCS University, Meerut. He is now undergoing Internship training in the same college.

●

**Ghaziabad:** Mr. Nishant (S/o Mr. Baleshwar Nath 'Zippy' and Gr. S/o Mr. Baikunth Nath) has passed his M.B.A. from Gurgaon this year.

●

**Kanpur:** Km. Prachi (D/o Mrs. Shashi-Mr. Anil) passed ICWAI 2009-10 in Ist division with 60.5% marks. She passed High School to B.Com. throughout in Ist division.

●

**दिल्ली:** चि. सर्वग्य (सुपुत्र श्रीमती रंजना-श्री सर्वेश, ग्रेटर कैलाश) सुपौत्र श्रीमती मिथलेश-श्री कमलेश्वर प्रसाद जी ने वास्तुकला एकेडेमी से आर्कीटेक्ट की III सैमिस्टर की परीक्षा 77% अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की।

●

**दिल्ली:** चि. निपुण (सुपुत्र श्रीमती रचना-श्री प्रवीण, अम्बिका विहार) सुपौत्र श्रीमती मिथलेश-श्री कमलेश्वर प्रसाद जी ने CBSE बोर्ड की XII कक्षा की परीक्षा 91% अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की।

**(उक्त सभी उपलब्धि प्राप्तकर्त्ताओं को भार्गव पत्रिका की ओर से शुभकामनाएँ एवं हार्दिक बधाई।)**

# विविध

**Alwar:** Mr. Deepak (S/o Late Jagdish ji, Alwar) has joined as Branch Manager, State Bank of Bikaner & Jaipur, SMS Hospital Branch Jaipur.

●

**Ajmer:** Mr. Prashant (S/o Mrs. Suman-Mr. Ramesh Chand) has joined M/s. Mahendra Satyam, Hyderabad after completing his B.E. (I.T.) in the month of June 2010.

●

**अजमेरः** श्रीमती शोभा, व्याख्याता रसायन विज्ञान (वैशाली नगर) 34 वर्ष की सेवा कर 30.4.2010 को सेवानिवृत्त हुईं।

●

**अजमेरः** श्रीमती रचना (धर्मपत्नी श्री अनिल) का, अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की जयपुर में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में, 2010-2012 की कार्यकारिणी के लिए, विशेष आमन्त्रित सदस्या के रूप में चयन किया गया।

●

**गाजियाबादः** श्री शिव कुमार एवं श्रीमती उमा ने अपने सुपुत्र श्री धीरेन्द्र के विवाह के उपलक्ष्य में गाजियाबाद भार्गव सभा को 501/- रुपये दान स्वरूप दिये।

●

**गाजियाबादः** श्री अनिल एवं श्रीमती नीलिमा ने अपने पुत्र श्री अनुज के विवाह के उपलक्ष्य में गाजियाबाद भार्गव सभा को 1001/- रुपये दान स्वरूप दिये।

●

**अजमेरः** श्री कपिल अपने नवनिर्मित भवन 16-बी, करनी नगर, वृन्दावन स्कूल के पीछे, माकडवाली रोड में रहने लगे हैं।

●

**अजमेरः** श्री श्रीकृष्ण (सचिव, अजमेर भार्गव सभा) एवं श्रीमती प्रेम (अध्यक्ष, अजमेर भार्गव महिला सभा) ने 21.4.2010 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर मौहल्ले एवं निवास पर पक्षियों के लिए जल-दाने के लिये पंरिडे लगाये एवं बजरगढ़ पर जाकर कबूतरों को दाना डाला। मौहल्ले के निवासियों को पानी के दुरुपयोग को रोकने की सलाह दी। श्रीमती अंशु ने महेश्वरी पब्लिक स्कूल में इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किये।

**देहरादूनः** अपने निवास पर आयोजित देहरादून भार्गव सभा की विशेष बैठक में श्री रूप नारायण जी ने अपनी शादी की 43वीं वर्षगाँठ 9.5.2010 को भार्गव सभा के सभी सदस्यों के साथ बड़ी धूमधाम से मनाई।

●

**अजमेरः** डा. मयंक (पेट, लीवर, आँत में विशेषज्ञ) ने 19.5.2010 को प्रातः 8 बजे से 12 बजे तक मेवन्स हास्पिटल, वैशाली नगर एवं सायं 5 बजे से 8 बजे तक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन किया जिसमें करीब 40 लोगों ने लाभ उठाया।

●

**Jaipur:** "Aao Jhoomen Gayen" Abhyas-24 (a melodious show by students of 'Darshak') was organised by Darshak Sanstha on 13.6.2010 evening at Ravindra Manch at Jaipur. More than 100 students in age group 3½ to 20 years gave their best group dances and songs for about three hours. Shri Prabhat Mukul Bhargava, President, Philatelic Society of Rajasthan was the Chief Guest.

●

**अजमेरः** श्रीमती रमा एवं मेजर शिव नाथ (वैशाली नगर) ने 5.6.2010 को अपने वैवाहिक जीवन के पचास वर्ष पूर्ण होने पर समारोह धूमधाम से मनाया।

●

**मथुराः** श्रीमद्‌भागवत कथा का आयोजन श्रीमती मिथलेश जी (दिल्ली) द्वारा गोवर्धन भार्गव धर्मशाला में 2.5.2010 से 9.5.2010 तक सम्पन्न हुआ। इसमें मथुरा महिला भार्गव सभा की सदस्याओं द्वारा पूर्ण श्रद्धा से कथा श्रवण तथा सभी कार्यों में सहयोग दिया गया। 2 मई की कलश यात्रा में अध्यक्षा आशू जी सचिव, पूनम जी, सरिता जी, शालिनी जी, गीता जी, नीतू जी, रेनू जी, मालती जी, कु. मधु, उमा जी, रूपा जी, रानी जी, दीपिका जी, कविता जी, रेखा जी, विजय जी आदि द्वारा भाग लिया गया और मिथलेश जी को इस पुण्य कार्य के लिये रु. 2100/- की धनराशि भेंट की गई।

## निधन

**अजमेरः** श्रीमती आशा देवी (धर्मपत्नी स्व. बिन्देश्वरी प्रसाद, गोखले मार्ग, शास्त्री नगर) का आकस्मिक निधन 4.3.2010 को हो गया।

•

**बीकानेरः** श्री सूरज प्रकाश (सुपुत्र स्व. द्वारका प्रसाद) का निधन 10.3.2010 को हो गया। शोकाकुलः श्री ओम प्रकाश (बड़े भाई), श्रीमती तारा (पत्नी), जगेश, उमेश, संजय (पुत्र), संगीता, प्रमिला (पुत्रियाँ), दीक्षान्त (पौत्र), प्रिया (पौत्री), पताः गली 1, धोबी तलाई, बीकानेर, फोनः 0151-2548326.

•

**कोलकाताः** श्रीमती कृष्णा (धर्मपत्नी श्री प्रेम) का निधन 11.5.2010 को कोलकाता में हो गया। उनके पति, दोनों पुत्री एवं पुत्र अन्तिम समय में उनके साथ थे। सम्पर्कः प्रशान्त (पुत्र) 09831206785.

**गाजियाबादः** श्रीमती कौसल्या देवी का निधन 16.4.2010 को गाँधी नगर, गाजियाबाद में हो गया।

•

**गाजियाबादः** श्री नीलकण्ठ का निधन 4.5.2010 को नेहरू नगर, गाजियाबाद में हो गया।

•

**अलवरः** श्री श्याम लाल (सुपुत्र स्व. रघुनाथ सहाय) का निधन 27.5.2010 को अलवर में हो गया।

•

**Kolkata:** Mrs Purnima (W/o Mr. Munish Chandra) expired on 28.5.2010 at the age of 68. Sons Mr. Rishi (Mumbai), Mr. Himanshu (Kolkata), Contact: P-43, Scheme-52, C.I.T. Road, Kolkata-700014. Tel: 033-22655501, M: 09432730172, 09830050829.

भार्गव पत्रिका में प्रकाशित निधन के समाचार के साथ सम्बन्धित परिवार अर्थात् पिता/पति/पुत्र का नाम, पूरा पता, दूरभाष, मोबाइल, ई-मेल इत्यादि विवरण भी देने की कृपा करें जिससे सम्बन्धित शोकाकुल परिवार को शोक संवेदना प्रेषित की जा सके। - **सम्पादक**

### पूर्व सूचना में परिवर्तन

1. भार्गव पत्रिका के मई 2010 अंक में पृष्ठ 21-22 पर 'वर्ष 2009-2010 में सभा के विभिन्न कार्यों हेतु स्थापित नवीन निधियाँ' के अन्तर्गत क्रम सं. 13 एवं 14 पर प्रकाशित सूची/विवरण क्रमशः 'श्री श्याम-विद्या-बृज स्मृति निधि' एवं 'श्री द्वारका-रामा-रवीन्द्र स्मृति निधि' में निधियों की आय का उपयोग/उद्देश्य में 'शिक्षा छात्रवृत्ति' के स्थान पर त्रुटिवश 'पुरस्कार' शब्द लिख दिया गया है। कृपया इसे 'शिक्षा छात्रवृत्ति' पढ़ें।
2. जातीय समाचार के अन्तर्गत पृष्ठ 45 पर डा. आर.एम.एस. भार्गव (डोना पौला, गोवा) से 'श्री बैजनाथ एवं श्रीमती त्रिवेणी निधि' में कृपया रु. 500/- के स्थान पर रु. 5,000/- पढ़ें।


*With Best Compliments From*

Shiv Prakash Bhargava

Vivek Bhargava

**SUDHA PRINTING PRESS**

B-21/3, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi - 110 020
Phones : (O) (011) 26385621, (R) 26973683, (M) 09810109206

## *हमारी स्थानीय सभाएँ*

सभी स्थानीय सभाओं, लेखकों एवं प्रकाशन सामग्री भेजने वाले बन्धुओं से निवेदन :-

1. प्रकाशन सामग्री कम्प्यूटर से (MS Word अथवा Page Maker 7.0 में हिन्दी के फोंट जैसे Krutidev/SV Surya/Walkman Chanakya में टाईप करवाकर भार्गव सभा के ई-मेल abbs@airtelmail.in पर भेजें। **प्रकाशन विवरण PDF Format में नहीं भेजें। सभी प्रकाशन सामग्री सभा कार्यालय में प्रत्येक माह की 15 तारीख तक मिल जानी चाहिये।**
2. स्थानीय सभाओं की बैठकों का विवरण संक्षिप्त, 200 शब्दों, में होना चाहिए।

**आगराः साधारण बैठक एवं परशुराम दिवस; 16.5.2010 सायं 5.30 बजे; स्थानः निवास श्री सुरेश (कमला नगर); अध्यक्षताः श्री डोरी लाल**

प्रारम्भिक औपचारिकताओं के पश्चात् भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं पूर्व प्रधान श्री सुनीत द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

अध्यक्ष ने बताया कि समाज कल्याण कोष से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये 6 आवेदन प्राप्त हुए हैं। निश्चय हुआ कि अध्यक्ष एवं सचिव मिलकर इन आवेदन पत्रों का परीक्षण कर लें तथा सही पायें तो समाज कल्याण समिति को भेज दें।

अध्यक्ष ने बताया कि अखिल भारतीय भार्गव सभा अधिवेशन 2010 को आयोजित करने हेतु कार्यकारिणी ने एक प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने गत दो कार्यकारिणी बैठकों की कार्यवाही से सदन को अवगत कराया। इस चर्चा में श्री जितेन्द्र, श्री पीयूष, श्री विशाल, श्री नगेन्द्रनाथ, डा. महेश, श्री सुनीत, श्रीमती अल्का, श्री आलोक, श्री कपिल, श्री हरप्रसाद आदि ने भाग लिया। विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से तय हुआ कि अधिवेशन-2010 को आगरा भार्गव सभा द्वारा आयोजित करने हेतु प्रस्ताव भेजा जाये।

तदुपरान्त भगवान परशुराम जयन्ती की कार्यवाही प्रारम्भ हुई। पूर्व अध्यक्ष डा. महेश ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुये समस्त भार्गव परिवारों के सुखमयी जीवन की कामना की तथा आवाह्न किया कि वे भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लें। भगवान परशुराम चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ। श्रीमती रजनी, श्रीमती विनोद बाला, श्रीमती अल्का, श्रीमती सरोज, श्रीमती अल्पा, श्रीमती एकता आदि ने सामूहिक भजन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर श्री जितेन्द्र ने एक क्विज खिलाई जिसमें प्रथम श्री दयासरन, द्वितीय श्रीमती अल्का एवं तृतीय श्रीमती विनोद बाला व श्री पीयूष रहे।

अन्त में सभी ने प्रेमपूर्वक भगवान परशुराम की आरती उतारी एवं प्रसाद ग्रहण किया। समारोह के अन्त में श्री सुरेश की ओर से रात्रि भेज की व्यवस्था की गई। उन्हें धन्यवाद देने के साथ समारोह समाप्त हुआ।

133, पाण्डव नगर, न्यू शाह गंज, आगरा — **राजकुमार भार्गव**
मो. 09410876696 — सचिव

**(आगरा भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 19.5.2010 को प्राप्त हुई)**

**देहरादूनः मासिक बैठक; 9.5.2010; स्थानः निवास श्री रूपनारायण; अध्यक्षताः श्री राज; उपस्थितिः 35**

ईश वन्दना के पश्चात् गत कार्यवाही की पुष्टि की गई। सर्वसम्मति से श्री राज को अखिल भारतीय भार्गव सभा के लिए मनोनीत सदस्य बनाया गया। हाऊजी के दो गेम खेले गये। अन्त में स्वादिष्ट जलपान हेतु श्रीमती एवं श्री रूप नारायण को धन्यवाद देते हुए कार्यवाही सम्पन्न हुई।

164/87, विवेक विहार पाकेट-III
देहरादून-248001

**अनिता भार्गव**
सचिव

**( देहरादून भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 20.5.2010 को प्राप्त हुई )**

**गाजियाबादः होली मिलन समारोह; 21.2.2010; स्थानः रोटरी भवन, नेहरू नगर; अध्यक्षताः श्री उमा शंकर; मंच संचालनः श्री सन्दीप**

होली के इस पावन पर्व पर सभी ने एक दूसरे को बधाई चन्दन लगाकर दी। उपस्थित महिलाओं ने होली के गीत गाकर कार्यक्रम में चार-चाँद लगा दिये। सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लिया।

उपस्थित समस्त बच्चों एवं महिलाओं को उपहार वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती वीना ने रु. 1000/-, श्रीमती रेखा ने रु. 1000/-, श्री अनिल ने रु. 2000/- और श्री उमाशंकर ने रु. 2000/- का योगदान दिया।

रोटरी भवन की व्यवस्था श्रीमती सन्तोष तथा समस्त उपहारों की व्यवस्था श्रीमती कीर्ति द्वारा की गई। कार्यक्रम को सफल बनानें में श्री संजीव, श्री प्रदीप, श्री दिवाकर, नीता जी, सुधा जी, अरुणा, जी, पुष्पा जी एवं नीलू जी द्वारा विशेष योगदान दिया।

के.वी.-122, कवि नगर, गाजियाबाद

**सन्दीप भार्गव**, सचिव

**( श्री सन्दीप के 2 माह के लिए बाहर चले जाने से गाजियाबाद भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में देर से 20.5.2010 को प्राप्त हुई )**

**जबलपुरः साधारण बैठक एवं परशुराम जयन्ती; 16.5.2010 सायं 5 बजे; स्थानः निवास श्री दीन दयाल एवं श्री ध्रुव (115, लार्ड गंज); अध्यक्षताः श्री दीन दयाल**

प्रारम्भिक औपचारिकताओं के पश्चात् भगवान परशुराम जी के चित्र पर अध्यक्ष द्वारा माला पहनाई गई तथा सचिव द्वारा रोली तिलक लगाकर आरती उतारी एवं बूँदी को भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। सचिव एवं श्री योगेन्द्र नाथ द्वारा परशुराम जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया एवं सामूहिक भजन गाये गये। कु. अपूर्वा द्वारा हाऊजी खिलाई गई। अन्त में स्वादिष्ट रात्रिभोज हेतु सचिव द्वारा श्री दीन दयाल व श्री ध्रुव एवं उनके परिवार को धन्यवाद देते हुए कार्यवाही सम्पन्न हुई।

801, आमनपुर नरसिंह वार्ड, मदन महल, जबलपुर-482002
फोनः 0761-6543777

**उदयकमल भार्गव**
सचिव

**( जबलपुर भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 22.5.2010 को प्राप्त हुई )**

**अजमेर: (1) कार्यकारिणी बैठक; 11.4.10 सायं 5.30 बजे; स्थान: निवास श्री कैलाश नाथ (नाका मदर); अध्यक्षता: मेजर शिव नाथ**

प्रारम्भिक औपचारिकताओं के पश्चात् परशुराम जयन्ती 16.5.2010 को मनाना तय हुआ। जयपुर भार्गव सभा के द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रुप डांस भेजना तय किया गया जिसमें कु. आयुषी, रिद्धी, पूजा, सुची, अंजली एवं शिवानी भाग लेंगी और कैरियर काउंसलिंग सेमीनार में कु. आयुषी, रिद्धी, पूजा एवं सुची भाग ले सकेंगी। भार्गव धर्मशाला, चकलेश्वर, गोवर्धन (मथुरा) में आयोजित भागवत सप्ताह के लिए सभा द्वारा रु. 501/- भिजवाने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष ने भार्गव आश्रम पुष्कर के नवीन निर्माण के सम्बन्ध में जानकारी दी। नवनिर्मित कमरों के निर्माण में श्री ब्रिजेन्द्र-श्रीमती मंजु से रु. 61,000/-, श्री राजेश (मन्दसौर) से रु. 1,15,000/-, मेजर शिवनाथ-श्रीमती रमा से रु. 1,15,000/-, डा. सुषमा (धर्मपत्नी डा. अजय, यू.एस.ए.) से रु. 25,000/- , श्री दिनेश (अलवर) से रु. 11,000/-, डा. सत्येन्द्र ने अपनी बहिन पुष्पा (अलवर) की स्मृति में रु. 11,000/- दान दिये। श्री श्रीकृष्ण (सचिव) ने सावित्री देवी की स्मृति में रु. 40,000/- की सहयोग राशि दी। सभी ने दानदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। श्रीमती आशा (धर्मपत्नी स्व. बिन्देश्वरी प्रसाद, शास्त्री नगर) के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिये प्रार्थना की गई।

अन्त में श्री कैलाश नाथ को सुन्दर व्यवस्था एवं गर्मागर्म भोजन के लिए धन्यवाद के साथ बैठक समाप्त हुई।

**(2) परशुराम जयन्ती; 16.5.2010 सायं 5.45 बजे; स्थान: निवास श्री राजन (तोपदड़ा); अध्यक्षता: मेजर शिव नाथ; सहयोग: अजमेर भार्गव महिला सभा**

ईश वन्दना के पश्चात् सभा के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य पदाधिकारियों ने पूजा अर्चना कर भगवान परशुराम जी की प्रतिमा पर पुष्पहार पहनाकर दीप प्रज्ज्वलित किया। श्रीमती अंशु, मधु, श्री दीपेश, श्रीकृष्ण, कु. आयुषी, सुचि ने परशुराम जी की जीवनी, चरित्र, घटनाओं, स्थल एवं वीरता पर प्रकाश डाला। 15 वर्ष तक के बच्चों मा. कुणाल एवं वैभव ने पत्र-वाचन किया जिनको पुरस्कार दिया गया। शैक्षणिक क्षेत्र की विभिन्न परीक्षाओं में 60% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशालियों - कु. रिद्धी एवं श्री प्रशान्त को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सचिव ने समस्त आगन्तुकों एवं श्री राजन (सुव्यवस्था के लिए) को धन्यवाद दिया।

सामूहिक रूप से परशुराम जी की आरती कर सभी ने प्रसाद एवं अल्पहार का आनन्द लिया।

33/253, कृष्णा चौक, तोपदड़ा, अजमेर-305001 **श्रीकृष्ण भार्गव**
फोन: 0145-2620518, मो. 09460479090 सचिव

**(अजमेर भार्गव सभा की पहली कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 21.5.2010 को एवं दूसरी 7.6.2010 को प्राप्त हुई)**

**रायबरेली: साधारण बैठक एवं परशुराम जयन्ती; 17.5.2010 रात्रि 8 बजे; स्थान: पायल रेस्टोरेंट; अध्यक्षता: श्री सोमेश; उपस्थिति: 40**

ईश वन्दना के पश्चात् अध्यक्ष श्री सोमेश ने परम्पूज्य परशुराम जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। तत्पश्चात् सभी उपस्थित सदस्यों एवं बच्चों ने पुष्प चढ़ाकर सामूहिक वन्दना की। अध्यक्ष जी ने परशुराम जी की जीवनी पर प्रकाश डाला ताकि उपस्थित सभी लोग उनसे प्रेरणा ले सकें।

तम्बोला का आनन्द लेते हुए सभा समाप्ति की घोषण की गई। सभी ने स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती नीरू एवं श्री राकेश का धन्यवाद किया

एच.आई.जी.-18, आर.डी.ए. कालोनी, इन्दिरा नगर, राय बरेली-229001 **श्रीमती ममता भार्गव**
फोन: 0535-2203207, मो. 09453022241 सचिव

**( रायबरेली भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 14.6.2010 को प्राप्त हुई )**

## रिवाड़ी: सुन्दर काण्ड पाठ; 30.5.2010 प्रातः 9.00-11.30 बजे; स्थानः शिव मन्दिर, बावल चौक; उपस्थितिः लगभग 60

श्री कैलाश व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वीणा ने पूजा आराधना कर सुन्दर पाठ का शुभारम्भ किया। आरती और प्रसाद वितरण कर आयोजन का समापन हुआ।

इस आयोजन को सफल बनाने में श्री भरत, श्री कैलाश, श्री मुकेश (सुपुत्र स्व. ओम प्रकाश), श्री संजय (सुपुत्र श्री त्रिलोकी नाथ) व पुजारी जी के सुपुत्र श्री दिनेश शर्मा ने अपना सहयोग दिया।

7392-ए, राम गली, रिवाड़ी-123401 **सुखदेव चरण भार्गव**
फोन: 01247-645501, मो. 9729629764, 09818323421 संयोजक, धार्मिक कमेटी

**( रिवाड़ी भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 9.6.2010 को प्राप्त हुई )**

## मथुराः (1) कार्यकारिणी बैठक; 2.5.2010; स्थानः निवास श्री धीरेन्द्र नाथ; अध्यक्षताः श्री श्याम बिहारी

कार्यक्रम का प्रारम्भ ईश वन्दना से हुआ। पिछली कार्यवाही की सर्वसम्मति से पुष्टी की गई।

सचिव श्री धीरेन्द्र नाथ द्वारा बताया गया कि पिछले सचिव श्री संजय (IOC) ने चार्ज एवं हिसाब देने से इंकार कर दिया है। अत: समन्वय उपसमिति द्वारा कराये गये निर्वाचन के सम्बन्ध की गयी कार्यवाही से सम्बन्धित कागज मंगाये जाने के उपरान्त बैंक के खाते के संचालन के बारे में बैंक प्रबन्धक से मिला जाये। अत: इस सन्दर्भ में समन्वय उपसमिति के अध्यक्ष से समस्त पत्रावली मंगाने का निश्चय किया गया। बैठक के अन्त में श्री धीरेन्द्र नाथ को जलपान हेतु धन्यवाद दिया गया।

## (2) साधारण बैठक एवं परशुराम जयन्ती; 16.5.2010; स्थानः महिला शिल्प विद्यालय, घीया मण्डी; अध्यक्षताः श्री श्याम बिहारी

कार्यक्रम का प्रारम्भ महिला सभा की सदस्याओं द्वारा ईश वन्दना से हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सुशील, अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी एवं सचिव श्री धीरेन्द्र नाथ द्वारा महर्षि परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों एवं उपस्थित सभी भार्गव बन्धुओं द्वारा परशुराम जी के चित्र पर पुष्पाँजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सुशील एवं भार्गव महिला सभा की संरक्षिका श्रीमती सरिता ने परशुराम जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

सदन में सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी एवं अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया गया एवं सभी का परिचय कराया गया। अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी ने अपने उद्बोधन में सभी से एक जुट होकर समाज के उत्थान में सहयोग देने की अपील की और अगली साधारण बैठक एवं दालबाटी का आयोजन अगस्त में किये जाने की घोषणा की। उपस्थित बन्धुओं को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती चित्रा (राजीव) ने किया।

इस वर्ष ब्राह्मण समाज द्वारा निकाली गयी परशुराम शोभा यात्रा का स्वागत मथुरा भार्गव सभा द्वारा किशोरी रमण मन्दिर पर किया गया, जिसमें अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी, सचिव श्री धीरेन्द्र नाथ, उपसचिव श्री सुनील, भण्डारी श्री राम कुमार 'भानू', कार्यकारिणी सदस्यों एवं अन्य भार्गव बन्धुओं द्वारा परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं प्रसाद लगाया गया। मथुरा भार्गव सभा द्वारा शहर के विभिन्न स्थलों पर 50 बैनर भी लगाये गये।

**श्री श्याम बिहारी भार्गव,** अध्यक्ष
6, सी.डी.एस. नगर, फेस-।, महोली रोड, मथुरा
फोन: 0565-3299150, मो. 09837589420

**श्री धीरेन्द्र नाथ भार्गव,** सचिव
4/388, शीतला घाटी, मथुरा
फोन: 0565-2409657, मो. 09412281425

**(मथुरा भार्गव सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 18.6.2010 को प्राप्त हुईं)**

## भोपालः महर्षि भृगु एवं परशुराम जयन्ती; 30.5.2010; स्थानः परशुराम मंदिर, टी.टी. नगर; अध्यक्षताः श्री सुधीर

बैठक का प्रारम्भ भगवान परशुराम के चित्र के पूजन, दीप प्रज्ज्वलन एवं ईश वन्दना से हुआ। अध्यक्ष ने बड़ी संख्या में पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया। स्वागत भाषण के बाद सह-सचिव श्री विनोद ने मुख्य अतिथि श्री रमेश चन्द्र शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार एवं अध्यक्ष म.प्र. भृगु समाज) का तथा कोषाध्यक्ष श्री विश्वकांत जी ने श्री सुरेश जी का पुष्पहार से स्वागत किया। सचिव श्री अनिल ने स्मृति चिन्ह भेंट किये।

कु. आस्था, श्री राज किशोर जी ने महर्षि भृगु तथा भगवान परशुराम के जीवन वृत्त का परिचय दिया। मुख्य अतिथि श्री रमेश चन्द्र शर्मा ने भृगु कुल के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

श्री विनोद ने महर्षि भृगु तथा भगवान परशुराम के जीवन से सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी संचालित की। सभी सदस्यों ने इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया। पूजा की थाली सजाने की प्रतियोगिता में (1) प्रथम पुरस्कार - कु. आकांक्षा, (2) द्वितीय पुरस्कार - श्रीमती राखी, (3) तृतीय पुरस्कार - कु. आंचल को वितरित किये गये।

निवर्तमान अध्यक्ष, श्री सुरेश जी (अलका पुरी) द्वारा प्रायोजित स्वादिष्ट भोजन के बाद सभा विसर्जित की गयी।

110, डी.के. टावर, ए-इन्द्रपुरी, जे.के.रोड, भोपाल-462021
फोन: 2601993, मो. 09425604993

**अनिल कुमार भार्गव**
सचिव

**(भोपाल भार्गव सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 13.6.2010 को प्राप्त हुईं)**

## *हमारी महिला सभाएँ*

### अलवर: मासिक बैठक व परशुराम जयन्ती; 10.5.2010; स्थान: भार्गव आश्रम; अध्यक्षता: श्रीमती आशा

108 नाम की माला व गीता के नौंवें अध्याय का वाचन किया गया। श्रीमती सरिता व श्रीमती सुनीता (आर्य नगर) के पिताजी के आकस्मिक निधन हेतु 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धाँजली दी गयी। पाँच मिनट बाद पुन: सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की गई।

परशुराम जयन्ती के अवसर पर श्रीमती वीणा ने मधुर स्वरों में स्वरचित 'परशुराम स्तुति' सुनाई। समयबद्धता पुरस्कार श्रीमती वीणा को श्रीमती सरोज (दयाल निकेतन) के सौजन्य से दिया गया।

निर्जला एकादशी हेतु सभी बहनों से पुन: तन मन धन से कार्य करने को कहा गया। श्रीमती सविता (SC-2) ने तथा श्रीमती रेखा (विकास पथ) ने परशुराम जी महाराज पर अपने विचारों को सदन में बताया। स्वादिष्ट जलपान शीला जी, सविता जी (मनु मार्ग) व प्रमिला जी द्वारा कराया गया। अध्यक्षा आशा जी ने हाऊजी गेम खिलाया जिसमें विभा जी व अंजूरिमा जी विजयी रहीं। धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् बैठक समाप्त की गई।

15-ए, विकास पथ, अलवर-301001 **श्रीमती रेखा भार्गव**
फोन: 0144-2331312, मो. 09414300502 सचिव

**(अलवर भार्गव महिला सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 19.5.2010 को प्राप्त हुई)**

### अजमेर: (1) कार्यकारिणी बैठक; 6.4.2010 स्थान: निवास श्रीमती उमा (कड़क्का चौक); अध्यक्षता: श्रीमती प्रेम

ईश वन्दना के पश्चात् सुन्दरकाण्ड के पाँच दोहे एवं हनुमान चालीसा का पाठ सस्वर में किया गया। सचिव ने गत बैठक की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। श्रीमती सन्तोष ने वर्ष 2010-2012 के लिए चयनित पदाधिकारियों का माला पहिनाकर स्वागत किया। हाऊजी खेली गई। सचिव ने श्रीमती प्रेम को अध्यक्षता एवं श्रीमती उमा को सुन्दर जलपान कराने के लिए धन्यवाद के साथ सभा का समापान हुआ।

### (2) विशेष बैठक; 4.5.2010 स्थान: निवास श्रीमती कुमुद (सुन्दर विलास); अध्यक्षता: श्रीमती प्रेम

ईश वन्दना के पश्चात् वर्ष 2010-2012 की कार्यकारिणी के सदस्यों को बनाने पर विचार विर्मश किया गया। सर्वप्रथम पुरानी कार्यकारिणी के सदस्यों में से श्रीमती उर्मिला, उषा जी, रचना जी, रेखा जी, अनिता जी, मंजु जी (कु. न.), बीना जी एवं अनुराधा जी को सदस्य लिया गया। श्रीमती सन्तोष को सलाहकार एवं श्रीमती शान्ति को ऑडिटर लिया गया। क्षेत्रवार नवीन सदस्यों के लिए श्रीमती अंशु, नीतू जी (ब्रह्मपुरी), श्रीमती चित्रा (कुन्दन नगर), शोभा जी (वैशाली नगर), मृदुला जी (नाका मदर) का चयन किया गया। श्रीमती प्रेम को अध्यक्षता एवं श्रीमती कुमुद को सुन्दर जलपान के लिए धन्यवाद के साथ सभा का समापान हुआ।

21-ए, बापू नगर, अजमेर-305001 **श्रीमती मधु भार्गव**
फोन: 0145-2420109, मो. 09461594921 सचिव

**(अजमेर भार्गव महिला सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 21.5.2010 को प्राप्त हुईं)**

**रिवाड़ीः (1) साधारण बैठक; 23.4.2010; सौजन्य व स्थानः निवास श्रीमती सुनीता (राकेश) एवं श्रीमती शशी (मुकुल) कुतुबपुर; अध्यक्षताः श्रीमती रजनी; उपस्थितिः 31**

प्रारम्भिक औपचारिकताओं के पश्चात् निम्न विषयों पर चर्चा हुई:- ● जो सदस्याएँ अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की आजीवन सदस्याएँ नहीं हैं लेकिन बनना चाहती हैं वे अपना नाम व 3 फोटो सभा को दे दें। ● अर्चिका की आजीवन सदस्याएँ जो बनना चाहती हैं। ● भार्गव पत्रिका की आजीवन सदस्याएँ जो बनना चाहती हैं। ● कुकिंग क्लास 3, 4, 5 मई को होनी तय की गई। ● मैडिटेशन के लिए 30 मई निश्चित की गई।

मनोरंजन के लिए दो गेम कराये गए। पहले गेम की विजेता श्रीमती सुमति व दूसरे गेम की विजेता श्रीमती सुधा (कुतुबपुर) रहीं। इसके पश्चात् एक गेम हाऊजी का खिलाया गया। अन्त में अध्यक्षा जी ने सुस्वादिष्ट जलपान हेतू श्रीमती सुनीता व श्रीमती शशी को धन्यवाद देते हुए सभा का समापन किया।

**(2) कुकिंग क्लास; 3.5.2010 से 5.5.2010; उपस्थितिः 31**

तरह-तरह के व्यंजन एवं शर्बत बनाना सिखाया गया। क्लास के अन्तिम दिन सभी सदस्याएँ अपने-अपने घर से थोड़ा-थोड़ा व्यंजन बनाकर लाईं, जिसे क्लास पूरी होने पर फनडे के रूप में मनाया गया। सभी ने खूब आनन्द उठाया।

**(3) साधारण बैठक; 11.5.2010; सौजन्य व स्थानः निवास श्रीमती सुनीता एवं श्रीमती सुमति (कायस्थवाड़ा); अध्यक्षताः श्रीमती रजनी**

ईश वन्दना के पश्चात् हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। परशुराम जयन्ती मनाने पर विचार विमर्श करने के बाद निश्चय हुआ कि अगली बैठक परशुराम जयन्ती के रूप में मनाई जायेगी।

सभा में 'मदर्स डे' पर 'स्लोगन' प्रतियोगिता On the Spot रखी गई। सभी के अपनी 'माँ' के ऊपर लिखे गए स्लोगन सराहनीय थे। सबसे अच्छे स्लोगन के लिए प्रमिला जी को विजेता घोषित किया गया। पूर्व अध्यक्षाओं उर्मिला जी व तारा जी (विभा) ने निर्णायिका की भूमिका निभाई।

एक अन्य गेम भी 'माँ' के ऊपर रखा गया। जिसमें हर सदस्य को बिना रुके-अटके 'माँ तुझे सलाम' बोलना था। इसकी विजेता श्रीमती वीणा रहीं। दो गेम हुए जिसकी विजेता श्रीमती कोमल एवं वर्षा जी रहीं। दोनों विजेताओं को श्रीमती सुनीता एवं श्रीमती सुमति ने उपहार भेंट किए। हाऊजी का एक गेम खिलाया गया।

सभा के अन्त में श्रीमती रजनी द्वारा स्वादिष्ट जलपान के लिए श्रीमती सुनीता एवं श्रीमती सुमति को धन्यवाद देते हुए सभा समाप्त की गई।

**(4) मेडिटेशन क्लास; 30.5.2010; उपस्थितिः 20-25**

मैडिटेशन श्रीमती वर्षा शर्मा व श्रीमती रश्मि शर्मा द्वारा कराया गया। ये क्लास 2 घंटे चली। जिसका सभी ने लाभ उठाया।

मकान नं. 509-510, कुतुबपुर, रिवाड़ी — **अमिता भार्गव**
फोनः 9315511704, 9466022553 — सचिव

**( रिवाड़ी भार्गव महिला सभा की उपरोक्त सभी कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 27.5.2010 को ई-मेल द्वारा प्राप्त हुई )**

## मथुराः (1) शरबत की प्याऊ का आयोजन; 28.4.2010; स्थानः गोपीनाथ जी मन्दिर परिसर, गाँधी पार्क

ब्रज में अधिक मास में परिक्रमा तथा ठाकुरजी के दर्शनों का अपना अलग ही महत्व है। अधिक मास की पूर्णमासी पर बाहर से आये हुये श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत देने हेतु ठण्डे शरबत की प्याऊ अध्यक्षा आशू जी तथा सचिव पूनम जी के सहयोग से सभी सदस्यों द्वारा लगाई गई। सर्वप्रथम सभी सदस्याओं ने ठाकुरजी के दर्शन कर शर्बत का भोग लगाया। गर्मी में सभी परिक्रमार्थी ठण्डा पेय पीकर तृप्त हो रहे थे। कार्यक्रम में संरक्षिका सरिता जी, प्रमिला जी, राशि जी, कु. मधु, शालिनी जी, प्रभा जी, कु. मीरा, चित्रा जी, वैशाली जी, कीर्ति जी, नीतू जी आदि का सहयोग रहा।

## (2) मासिक बैठक, भगवान परशुराम जयन्ती व मातृ दिवस; 15.5.2010; स्थानः निवास श्रीमती नूतन; अध्यक्षताः श्रीमती आशू; उपस्थितिः 45

ईश वन्दना व रामायण पाठ के साथ सभा का आरम्भ हुआ। समयबद्धता पुरस्कार श्रीमती प्रमिला को मिला। परशुराम जयन्ती बड़े उत्साह से मनाई गई। सभी सदस्याओं द्वारा भजन गाये गये व क्विज प्रतियोगिता रखी गई। परशुराम जी के जीवन पर श्रीमती मनीषा ने प्रकाश डाला।

मातृ दिवस के अवसर पर चित्रकला व कार्ड बनाने की प्रतियोगिता रखी गई। चित्रकला में श्रीमती मनीषा व श्री देवांशु प्रथम रहे तथा कार्ड में श्री तेजस्व विजयी रहे। बच्चों व माताओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया। मातृ दिवस पर श्रीमती मालती ने मातृ भक्ति की रोचक कहानी व श्रीमती शकुन्तला ने कविता प्रस्तुत की। विवाह की वर्षगाँठ व जन्मतिथि के उपहार भेंट दिये गये। हाऊजी खेली गई। प्रसाद वितरण तथा स्वादिष्ट जलपान के लिए नूतन जी को धन्यवाद के साथ सभा का समापान हुआ।

गोविन्द नगर, मथुरा — **श्रीमती पूनम भार्गव**
फोनः 0565-2421916 — सचिव

**( मथुरा भार्गव महिला सभा की पहली कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 4.6.2010 को एवं दूसरी 17.6.2010 को प्राप्त हुई )**

## सिरोंजः परशुराम जयन्ती; 16.5.2010 सायं 4 बजे; स्थानः निवास श्रीमती अर्चना; उपस्थितिः 20

परशुराम जी की आरती के पश्चात श्रीमती प्रेमलता द्वारा परशुराम जी के बारे में विस्तार से आपने विचार प्रस्तुत किये। श्रीमती शिल्पी व अन्य सदस्याओं द्वारा भजनों की सुन्दर प्रस्तुति दी गई। श्रीमती सरला ने अपने पुत्र तोषु की वर्षगाँठ पर महिला भार्गव सभा को रु. 51/- भेंट दिये। अन्त में स्वादिष्ट जलपान के पश्चात श्रीमती अर्चना को धन्यवाद देते हुये बैठक समाप्त की गई।

मदन मोहन पथ, सिरोंज, जिला विदिशा (म.प्र.) — **श्रीमती आशा भार्गव**
मो. 09826837131 — सचिव

**( सिरोंज भार्गव महिला सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 12.6.2010 को प्राप्त हुई )**

**दिल्ली: कार्यकारिणी बैठक; 14.5.2010 सायं 4.00 बजे; अध्यक्षता: श्रीमती मीरा (सरिता विहार); स्थान: निवास श्रीमती अंजू (अनुपम अपार्टमेन्ट); उपस्थिति: 30**

समयबद्धता पुरस्कार श्रीमती विजय लक्ष्मी जी का निकला। ईश वन्दना व 108 नाम की माला का उच्चारण किया गया। गत बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया।

तीज उत्सव के लिए बजट पास किया गया तथा 8.8.2010 को हिन्दी भवन में मनाने का निश्चय किया गया। सभी जोन से एक-एक संयोजिका नियुक्त की गई। ईस्ट जोन से रश्मि जी, वेस्ट जोन से गीता जी, नॉर्थ जोन से लता जी, साउथ जोन से श्रीमती मीरा जी होंगी। सचिव मीना जी ने अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की सचिव का पत्र पढ़कर सुनाया जिसमें 11.7.2010 को दिल्ली में मीटिंग कराने का अनुरोध किया गया। लेकिन सभा ने अपनी असमर्थता प्रकट की।

अंध विद्यालय की कन्या के विवाह के लिए सभा की ओर से 501 रुपये दिए गए एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा उपहार भी दिए गए। तत्पश्चात परशुराम जयन्ती बड़े उल्लास के साथ मनाई गई। जिन सदस्यों का जन्म दिन व विवाह की वर्षगांठ थी उन्हें सभा की ओर से शुभकामनाऐं एवं भेंट दी गई।

अगली बैठक 2.7.2010 को श्रीमती प्रतिमा के निवास (न्यू फ्रेन्ड्स कॉलोनी) पर होनी निश्चित हुई। श्रीमती अंजू जी को स्वादिष्ट जलपान के लिए धन्यवाद दिया गया। शान्ति पाठ के पश्चात बैठक समाप्त की गई।

ए-11ए, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1, नई दिल्ली-110049 **श्रीमती मीना भार्गव**
फोन: 011-24625845, मो. 09868185847 सचिव

**(दिल्ली भार्गव महिला सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 21.6.2010 को प्राप्त हुई)**

---

# VETERANS BIKANER

**मार्च** 2010 की बैठक श्री सुखदेव शरण के निवास पर आयोजित की गई। वरिष्ठ सदस्य श्री सूरज प्रकाश के 10.3.2010 को आकस्मिक निधन पर बैठक की कार्यवाही के अन्त में उनकी दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया व परिवार जनों को इस क्षति को वहन करने की शान्ति प्रदान करने हेतु परमपिता से प्रार्थना की गई।

**अप्रैल** 2010 की बैठक श्रीमती शीला के निवास (1 तुलसी सर्किल) पर आयोजित की गई। ईश प्रार्थना के बाद श्री सुखदेव शरण ने भगवान परशुराम जयन्ती 16.5.2010 को होने की सूचना दी। विचार विमर्श के बाद जयन्ती 16.5.2010 की अपेक्षा 9.5.2010 रविवार को मई माह की बैठक के साथ ही मनाया जाना तय किया गया।

**मई** 2010 की बैठक श्री विजय के निवास (1 तुलसी सर्किल) पर आयोजित की गई। ईश वन्दना व गायत्री मन्त्र के साथ भगवान परशुराम जयन्ती का कार्यक्रम आरम्भ हुआ। माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन व पूजा अर्चना की गई। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। श्री सुखदेव शरण ने परशुराम जी की जीवनी की विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती सुमन ने उनके आदर्शों को अपनाने व अनुपालन की आवश्यकता बताते हुए सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का आवाहन किया।

श्रीमती प्रभा व श्री रूपनारायण के 10 मई को विवाह की वर्षगाँठ पर शुभकामनाएँ दी गईं। कुछ अन्य सामाजिक चर्चा के बाद श्रीमती एवं श्री विजय का जयन्ती मनाने व प्रसाद की व्यवस्था व बैठक आयोजित करने व जलपान व्यवस्था हेतु धन्यवाद के साथ बैठक का समापन किया गया।

4-ई-339, ज.एन.वी. कालोनी, बीकानेर **सुखदेव शरण भार्गव**
फोन: 0151-2110348, मो. 9214581100

## अलवरः परशुराम जयन्ती; 16.5.2010

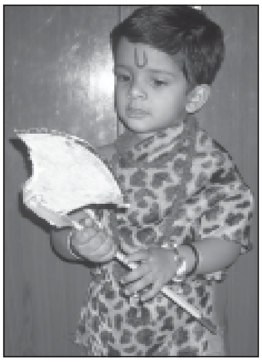

भार्गव सभा के तत्वाधान में भार्गव युवा संघ द्वारा भगवान परशुराम जयन्ती का आयोजन 16.5.2010 को बडी धूमधाम से किया गया, जिसमें प्रातः 9 बजे से हृदय, अस्थमा, मधुमेह निदान शिविर लगाया गया। जिसमें ब्लड शुगर, ई.सी.जी. की निःशुल्क जाँच की गई। लगभग 100 मरीजों की जाँच डा. सुशील जैन हृदय व अस्थमा रोग विशेषज्ञ द्वारा निशुल्क की गई। अल्पाहार के बाद कैम्प का समापन किया गया।

सायं 5 बजे से चित्रकला, भाषण, भगवान परशुराम रूपसज्जा प्रतियोगिता करवाई गईं, जिसमें मधुलिका, उत्कर्ष व हर्षिता ने भाग लिया। श्री जगदीश व श्री गोपाल दास द्वारा भगवान की जीवनी का परिचय दिया गया। इसके बाद श्री हेमन्त द्वारा भगवान परशुराम की जीवनी पर क्विज कराई गई व तम्बोला खिलाया गया। अन्त में प्रसाद वितरण कर जयन्ती का समापन किया गया।

**विशाल भार्गव**, सचिव
135, बसन्त विहार, अलवर

**हेमन्त भार्गव**, अध्यक्ष
कल्याण कुटीर, 87, आर्य नगर, अलवर

**(अलवर भार्गव युवा संघ की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 10.6.2010 को ई-मेल द्वारा प्राप्त हुई)**

## जयपुरः कार्यकारिणी बैठक; 8.6.2010 रात्रि 7.30 बजे; स्थानः महर्षि भृगु सदन, तिलक नगर; अध्यक्षताः श्री अतुल; उपस्थितः 23

ईश वन्दना के बाद गत बैठक की कार्यवाही की सर्वसम्मति से पुष्टि की गई। तत्पश्चात् जुलाई माह में क्रिकेट व इण्डोर गेम कराने पर विचार किया गया जिसमें 4.7.2010 को क्रिकेट मैच व स्केटिंग करवाने पर विचार किया गया और 12, 13, 17 व 18 जुलाई 2010 को Badminton, T.T., Chess, Sweep, Marriage आदि करवाने पर विचार किया गया।

पिकनिक अगस्त माह में करने पर विचार किया गया। पिकनिक का शुल्क रु. 50/- प्रति व्यक्ति रखा गया। कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया गया।

अन्त में अध्यक्ष श्री अतुल व श्रीमती रितु को शादी की वर्षगाँठ पर सभी सदस्यों ने बधाई दी एवं स्वादिष्ट भोजन कराने हेतु धन्यवाद दिया।

257, गायत्री नगर ए, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर
मो. 09829062899

**तरुण भार्गव**
सचिव

**(जयपुर भार्गव युवा संघ की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 16.6.2010 को ई-मेल द्वारा प्राप्त हुई)**

## *Looking for a suitable match for AKSHAY BHARGAVA*

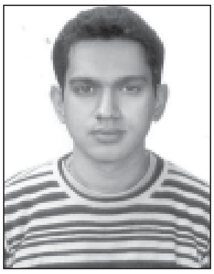

***Date of Birth*** : 25th August, 1982

***Gotra*** : Kashyap

***Height*** : 5'9" (175.26 cms)

***Qualification*** : MBA-FMB – S.P. Jain, Mumbai
B.Tech. (Mechanical), Indraprastha University, Delhi
Class XII, St. Columbas School, New Delhi
Class X, St. Columbas School, New Delhi

***Profession*** : Own Business, Manufacture & Export of Builders Hardware since 1944

***Family Details:***

***Father*** : Mr. Rajesh Bhargava, B.Tech. (Delhi College of Engineering), Proprietor, Jolly Engineering Works

***Mother*** : Mrs. Amita Bhargava, B.A. (Allahabad University)

***Brother*** : Mr. Aditya Bhargava, B.Tech. (Mechanical), MBA (Cardiff University, U.K.)

***Bhabhi*** : Mrs. Chandni Bhargava, MBA (Cardiff University, U.K.), D/o Mrs. & Mr. Surinder Dhawan of Global Exports, Kanpur

***Grandfather*** : Late J.N. Bhargava

***Grandmother*** : Mrs. Raj Kumari Bhargava

***Nanaji*** : Mr. K.K. Bhargava (M/s. Kusum Prakashan, Allahabad)

***Naniji*** : Mrs. Kusum Bhargava

***Business*** : Jolly Engineering Works, pioneer in the manufacturer of Builders Hardware since 1944 and having excellent brand Equity.

Raj Industries, Exporters and OEM's suppliers to renowned German Brands.

***Please Contact:***

**Mr. Rajesh Bhargava**

1/3, Roop Nagar, Delhi-110007

Tel: 011-23916807 • Mobile: 09810287354 • Email: amita@rajhinges.com

## *Looking for a suitable match for ANUJ BHARGAVA*

***Date of Birth*** : 21st February, 1983

***Height*** : 5'8" (172.72 cms) ***Gotra*** : Bachhlas

***Colour*** : Fair ***Kuldevi*** : Chak Munderi

***Qualification*** : AISSE, AISSCE
B.E. (Hons.) in Computer Science from Govt. Engineering College, Ajmer

***Profession*** : Software Engineer in TATA Consultancy Services, presently working on deputation in Amsterdam

***Salary*** : Rs. 1,60,000/- per month or 2650 Euro per month

***Family Details:***

***Father*** : Mr. Kamlesh Kumar Bhargava (Civil Contractor and Builders), S/o Late Devi Dayal Bhargava of Ajmer

***Mother*** : Mrs. Shashi Bhargava (Housewife), D/o Late Govind Sharan Bhargava of Mathura

***Brother*** : Mr. Anant Bhargava, Software Engineer in TCS and at present on deputation in New Jersey (USA)

***Bhabhi*** : Mrs. Anubha Bhargava, M.Tech. (Computer Science), D/o Mr. S.S. Bhargava of Bhopal

***Uncles*** : Late M.K. Bhargava (Retd. Officer, Defence Ministry, New Delhi)
Late N.K. Bhargava (Advocate, Ajmer)
Late B.K. Bhargava (Retd. Asst. Manager, SBI, Ajmer)

***Mamaji*** : Late Surendra Nath Bhargava, Engineer

***Mausaji*** : Mr. O.N. Bhargava, Raibarely
Late J.S. Bhargava, Advocate, Dibai
Mr. M.N. Bhargava, Advocate, Multai
Late C.M. Bhargava, Lucknow

***Please Contact:***

**Mr. Kamlesh Kumar Bhargava**
C-201, Vardhman Residency, Kanak Vihar Colony
Near Kamla Nehru Nagar, Ajmer Road, Jaipur (Rajasthan)
Tel: 0141-2250052 • Mobile: 09460360434

## *Looking for a suitable match for ANKUR BHARGAVA*

***Date of Birth*** : 24th July, 1982 ***Time & Place*** : 06:53 a.m., Aligarh
***Height*** : 5'10¾" (180 cms) ***Gotra*** : Kashyap ***Kuldevi*** : Archat
***Complexion*** : Fair ***Weight*** : 98 kgs.
***Education*** : MBA in Finance from AMU, Aligarh
***Profession*** : Business - AND Financial, Aligarh
***Hobbies*** : Adventure Sports, Driving, Reading
***Income*** : Approx Rs.80,000/- PM

***Family Details:***

***Father*** : Late P.K. Bhargava (S/o Late K.L. Bhargava, Aligarh), Was a leading manufacturer and exporter of cotton carpets
***Mother*** : Smt Pratibha Bhargava (D/o Late K.A. Bhargava, Ajmer)
***Sisters*** : Prachi Bhargava (married to Shri Satyam Sharma), working AVP, ICICI Securities, Nodia
Pooja Bhargava (married to Shri Milan Grover), Sr. Manager, Erricson, Jaipur
***Elder Brother*** : Shri Amul Bhargava, Area Manager, Kolher, New Delhi (married to Smt. Namrata Bhargava)

***Please Contact:***

**Smt. Pratibha Bhargava**
320, Avas Vikas Colony, G.T. Road, Aligarh-202001
Tel: 0571-2402289, 09319653500 • E-mail: ankur_bhargava2003@yahoo.com

## *Looking for a suitable match for NISHANT BHARGAVA*

***Date of Birth*** : 15th May, 1984 ***Time & Place*** : 5.10 p.m., Bikaner
***Height*** : 5'10" (177.8 cms) ***Gotra*** : Bandlash
***Complexion*** : Fair ***Kuldevi*** : Nagan
***Education*** : B.E. (Computer Science) from Rajasthan University, Jaipur
***Profession*** : Working with TCS, Noida
***Income*** : Rs. 4.50 per annum

***Family Details:***

***Father*** : Mr. Ramesh Chandra Bhargava (S/o Late Johri Lal Bhargava & Late Rameshwari Devi Bhargava, Jaipur), Own Business
***Mother*** : Mrs. Suman Bhargava (D/o Prem Singh Bhargava, Bikaner), M.A., B.Ed., Sr. Teacher, Govt. School, Ajmer
***Chacha*** : Mr. Naresh Chandra Bhargava-Vibha Bhargava, Jaipur (Own Business)
Mr. Mahesh Chandra Bhargava-Punita Bhargava, Delhi (Own Business)
***Brother*** : Mr. Prashant Bhargava, B.E. Hons. (IT), Working with Satyam Computers, Hyderabad
***Bhuaji*** : Mrs. Suman Bhargava, M.A., B.Ed. (W/o Mr. Satyendra Nath Bhargava, Jaipur, Business Electrical and Sanitary)

***Please Contact:***

**Mr. Ramesh Chandra Bhargava**
20, Sitaram Bhawan, Bapu Nagar, Ajmer-305001
Tel: (R) 0145-2625332 • Mobile: 09413949927, 9829794116
E-mail: rameshcbhargava@rediffmail.com

## *Looking for a suitable match for GAUREV BHARGAVA*

***Date of Birth*** : 8th March, 1984 ***Time & Place*** : 7.20 a.m., Jabalpur

***Gotra*** : Kashyap ***Kuldevi*** : Koda

***Education*** : B.E. (Mechanical) ***Complexion*** : Fair

***Profession*** : Service (Eicher Tractors, Bhopal)

***Income*** : Rs. 22,000/- per month

***Family Details:***

***Father*** : Mr. Bharat Kumar Bhargava, Deputy Manager, APEX Bank

***Mother*** : Mrs. Uma Bhargava

***Brother*** : Mr. Anurag Bhargava, B.E. (EC), Probationary Officer, Oriental Bank of Commerce

***Please Contact:***

**Mr. Bharat Kumar Bhargava**

F-6, Apex Bank Colony, E-5 Arera Colony, Bhopal-462016

Tel: 0755-2420398 • Mobile: 09407281843 • E-mail: gaurav_b08@rediffmail.com

## *Looking for a suitable match for ANURAG BHARGAVA*

***(Visiting India in the Month of November-December 2010)***

***Date of Birth*** : 20th April, 1982 ***Gotra***: Kashyap ***Kuldevi***: Archat

***Height*** : 5'10½" (179 cms) ***Complexion***: Fair, handsome

***Education*** : B.E. (Electronics & Telecommunications) from University of Mumbai, Mumbai; M.S. (Tele) from George Mason University, Fair Fax Virginia), U.S.

***Profession*** : R.F. Engineer, Global Technology Associates, Posted at Portland, U.S.

***Salary*** : US $ 83,000 per annum

***Family Details:***

***Father*** : Mr. R.K. Bhargava, Retd. Dy. Manager, State Bank of India

***Mother*** : Mrs. Ashoka Bhargava, Housewife

***Sisters*** : Mrs. Shalu Bhargava married to Mr. Sunil Bhargava, CTO, Intellitactics, Fair Fax Virginia, U.S.
Mrs. Neelu Bhargava married to Mr. Amit Bhargava, Cheif Engineer BW Shipping Corporation, Singapore
Miss Priyanka Bhargava, M.S. (Software Engineer) working with Teoco Corpn., Fair Fax Virginia

***Please Contact:***

**Mr. Ramakant Bhargava**

AG-132, Shalimar Bagh, Delhi-110008

Tel: 011-47820043 • Mobile: 09350164671 • E-mail: ramakant.bhargava@gmail.com

## *Looking for a suitable match for ASTHA BHARGAVA*

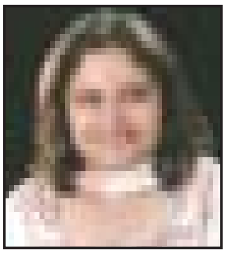

| | | |
|---|---|---|
| ***DATE OF BIRTH*** | : | 19$^{TH}$ FEB 1985 |
| ***DATE OF BIRTH/TIME*** | : | 18$^{TH}$ NIGHT 12:20 AM. 19$^{TH}$ MORNING |
| ***MOTHER NAME*** | : | MRS. KRISHNA BHARGAVA |
| ***FATHER NAME*** | : | MR. RAJESH BHARGAVA |
| ***BROTHER*** | : | One - MARRIED |
| ***SISTER*** | : | One - MARRIED |
| ***MANGLIK*** | : | NO |
| ***HEIGHT*** | : | 5' |
| ***WEIGHT*** | : | 54 KG. |
| ***COMPLEX*** | : | FAIR |
| ***QUALIFICATION*** | : | GRADUATE FROM D.U., PERSUING POST GRADU ATE FROM IGNOU/ GRAPHIC DESIGNER |
| ***GOTRA*** | : | KASHYAP |
| ***MARITAL STATUS*** | : | ISSUE LESS/LEGALLY DIVORCED |
| ***MOBILE NO.*** | : | 9871057033 |
| ***E-MAIL ID*** | : | asthabhargava-08@rediffmail.com |
| ***E-MAIL*** | : | Bhargava-Sakat@Rediffmail.com |

## *Looking for a suitable match for Miss NUPUR BHARGAVA*

***Date of Birth*** **:** 23$^{rd}$ May, 1981 ***Time & Place*** **:** 6.50 p.m., Delhi
***Height*** **:** 5' (152 cms) ***Gotra*** **:** Golash
***Complexion*** **:** Fair ***Kuldevi*** **:** Shakra
***Education*** **:** Convent Educated
B.Sc. (Physics Hons.) & M.Sc. (Physics), Delhi University
Doing Ph.D. from USA
***Hobbies*** **:** Dancing, Reading and Travelling

***Family Details:***

***Father*** **:** Mr. N.K. Bhargava, C.A., Practicing
***Mother*** **:** Mrs. Meenu Bhargava, M.A. (Political Science)
***Brother*** **:** Mr. Nikhil Bhargava, B.Com. (Hons.), C.A.

***Please Contact:***

**Mrs. Meenu Bhargava**
11-C, Pocket-4, Mayur Vihar Phase-1, Delhi-110091
Tel: 011-22710194, 43026067 • Mobile: 09910800184, 09810127820
E-mail: meenu2bhargava@yahoo.co.in